राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 16 अक्टूबर 2024 वर्ष-7,अंक-264 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के चुनाव तारीखों का हुआ ऐलान

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को और झारखंड में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग

*** नतीजे 23 नवंबर को, 16 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान मंगलवार दोपहर को कर दिया है। इसके तहत महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि झारखंड में 2 फेज में यानी 13 और 20 नवंबर को मतदान किया जाएगा। इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने मंगलवार दोपहर 3.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर 16 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। यहां बताते चलें कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को जबकि झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। लोकसभा सीटों में होने वाले चुनाव में केरल की वायनाड सीट पर 13 नवंबर और महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। वहीं, 47 विधानसभा सीटों के लिए 13 नवंबर को और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। इन सभी सीटों के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव का ऐलान करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इस बार राज्य में दो चरणों में ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। पहले चरण के वोट 13 नवंबर को डाले जाएंगे जबकि दूसरे चरण के लिए मतदान 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, महाराष्ट्र में 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी और नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्र 04 नवंबर, 2024 तक वापस लिए जा सकेंगे। महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे।

ईवीएम हैकिंग पर चुनाव आयुक्त ने दिया जवाब, बोले- यह पूरी तरह सुरक्षित, बैटरी को लेकर भी कही बड़ी बात

चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि ईवीएम की बैटरी एक कैलकुलेटर की तरह होती है और इसमें तीन स्तरीय सुरक्षा होती है। चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण तब आया जब कांग्रेस ने कहा कि हरियाणा के विभिन्न मतदान केंद्रों पर ईवीएम की बैटरी का स्तर अलग-अलग होने से चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावों को खारिज कर दिया है। कुमार ने कहा कि पेजर की तरह ईवीएम में हेराफेरी करना असंभव है और उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस के अगले बड़े आरोप का इंतजार कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि ईवीएम बैटरी के बारे में मुद्दा नया है, लेकिन ईवीएम में बैटरी सहित तीन स्तरीय सुरक्षा होती है। उन्होंने आगे कहा कि जनता ने पहले ही बड़ी संख्या में भाग लेकर मतदान प्रक्रिया में विश्वास व्यक्त किया है। यह प्रतिक्रिया विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस द्वारा एक बार फिर ईवीएम से छेड़छाड़ पर चिंता जताए जाने के बाद आई है। राजीव कुमार ने कहा कि यह बिल्कुल सुरक्षित और मजबूत है। पिछले 15-20 चुनावों पर नजर डालें। यह अलग-अलग परिणाम पर परिणाम दे रहा है। ऐसा नहीं हो सकता कि यह ग़लत हो, केवल परिणाम आपकी पसंद के अनुरूप नहीं हों। ईवीएम को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों और शिकायतों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, सीईसी राजीव कुमार ने कहा, 'आजकल लोग यह भी पूछते हैं कि क्या कोई पेजर को उड़ा सकता है, लेकिन क्या वे ईवीएम को भी नहीं उड़ा सकते हैं? पेजर और ईवीएम अलग-अलग हैं और इनका कोई संबंध नहीं है।' हरियाणा चुनावों में ईवीएम में 'बैटरी की समस्या' का आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी की शिकायतों के संबंध में, सीईसी ने कहा, 'हम ईवीएम पर सभी 20 शिकायतों का व्यक्तिगत रूप से, तथ्य-दर-तथ्य जवाब देंगे।' सीईसी ने विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी ईवीएम का बचाव किया और कहा, 'यह बिल्कुल सुरक्षित और मजबूत है। पिछले 15-20 चुनावों को देखें। यह अलग-अलग नतीजे दे रहा है। ऐसा नहीं हो सकता कि ईवीएम गलत है, केवल नतीजे आपकी पसंद के मुताबिक नहीं हैं।'

पन्नू की हत्या की कोशिश करने का आरोपी खुफिया अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किया है। भारत ने अमेरिका को इसकी जानकारी दी है। भारत ने बताया कि यह अधिकारी अब सेवा में नहीं है। भारत सरकार का कहना है कि आरोपों के बाद गठित उच्च स्तरीय जांच समिति इस व्यक्ति के अन्य संबंधों की जांच कर रही है। इस बारे में जांच के लिए भारतीय जांच दल भी अमेरिका जाएगा। इसके पहले अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने अधिकारी की पहचान भारत सरकार के एक सेवारत अधिकारी के रूप में की थी। व्यक्ति को जून 2023 को पन्नू के खिलाफ कथित हत्या की साजिश का निर्देशन करने के रूप में आरोपित किया। पन्नू भारत में एक नामित आतंकवादी है। पन्नू के पास अमेरिकी नागरिकता है। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि अमेरिका भारत की तरफ से उठाए गए कदमों से खुश है। अधिकारी ने कहा कि हमें इससे प्रोत्साहन मिला है कि यह व्यक्ति अब सरकारी कर्मचारी नहीं है। भारतीय जांच समिति वाशिंगटन डीसी जा रही है और यहां अधिकारियों से भी मुलाकात करेगी।

कनाडा से लौट रहे उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को मिलेगी कड़ी सुरक्षा... खुफिया एजेंसी का अलर्ट

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर कनाडा से अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने की घोषणा की। भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और पांच अन्य अधिकारी सप्ताह के अंत में कनाडा से लौट आएंगे। भारत लौटने के बाद उन्हें संभावित खालिस्तानी खतरों के कारण बढ़ी हुई सुरक्षा दी जाएगी। इसके अलावा, कनाडा में हाल ही में तैनात अन्य भारतीय राजनयिकों और अधिकारियों को भी विशेष सुरक्षा दी जाएगी। वर्मा के अलावा, टोरंटो के वाणिज्य दूत सिद्धार्थ नाथ को सबसे अधिक खतरे में माना जा रहा है। उन्हें भी हाल ही में कनाडा छोड़ने को कहा गया था। नाथ ने पिछले साल अगस्त में टोरंटो कांसुलेट का कार्यभार संभाला था।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में लॉरेंस से पूछताछ करने कस्टडी चाहती है पुलिस

*** मुंबई लाने की तैयारी, सीआरपीसी 268 बन रही रोड़ा**

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में गिरफ्तार तीसरे आरोपी प्रवीण लोनकर को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। 21 अक्टूबर तक पुलिस आरोपी से पूछताछ कर सकती है। पुलिस के मुताबिक प्रवीण का भाई शुभम जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। बिश्नोई गैंग ने ही बाबा सिद्दीकी की हत्या की है।

इस हाई प्रोफाइल मामले में लॉरेंस बिश्नोई का नाम आने के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर सकती है। लॉरेंस को साबरमती जेल से हिरासत में लेकर पूछताछ करने की मुंबई पुलिस अनुमति मांग सकती है लेकिन इसमें बड़ा पेंच है। कहा जा रहा है कि मुंबई पुलिस को लॉरेंस बिश्नोई की हिरासत आसानी से नहीं मिलेगी। सलमान खान को जान से मारने की धमकी और उनके घर के बाहर फायरिंग मामले में भी बिश्नोई का नाम आया था। तब से पुलिस लॉरेंस की कस्टडी मांग रही है।

विशेषज्ञों का मानना है लॉरेंस बिश्नोई की कस्टडी के लिए मुंबई पुलिस को हाईकोर्ट से इजाजत लेनी होगी। यह मुश्किल है। मुंबई पुलिस सलमान खान के घर फायरिंग मामले में लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ करना चाहती है। अब बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मामला बड़ा है इसलिए मुंबई पुलिस को लॉरेंस की कस्टडी मिल सकती है, वह भी सिर्फ केंद्र की इजाजत के बाद। बिश्नोई पिछले एक साल से साबरमती जेल में बंद है। उस पर पंजाब, दिल्ली, गुजरात और मुंबई में हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और ड्रग्स और हथियार तस्करी सहित कई मामले दर्ज हैं।

बता दें लॉरेंस बिश्नोई को खालिस्तान समर्थकों को आतंकी फंडिंग के सिलसिले में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। केंद्र ने एनआईए के अनुरोध के बाद सीआरपीसी 268 को लागू किया था। सीआरपीसी 268 के आदेश अगस्त में समाप्त होने थे, लेकिन केंद्र ने आदेश को एक साल और बढ़ा दिया।

नासा ने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमा यूरोपा का अध्ययन करने रॉकेट किया लॉन्च

-यह यान यूरोपा साल 2030 तक पहुंचेगा, 290 करोड़ किमी की यात्रा तय करेगा

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमा यूरोपा के अध्ययन के लिए रॉकेट लॉन्च किया है। फ्लोरिडा के केप केनवरल स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से यूरोपा क्लिपर नाम का स्पेसक्राफ्ट के फॉल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया। इस यान को यूरोपा तक पहुंचने में 2030 तक का समय लगेगा। यूरोपा क्लिपर एक रोबोटिक सोलर पावर्ड यान है। यह बृहस्पति ग्रह की कक्षा यानी ऑर्बिट में 2030 में प्रवेश करेगा। इस दौरान यह 290 करोड़ किलोमीटर की यात्रा करेगा। इस यात्रा में उसे करीब साढ़े पांच साल लगेंगे। इस लॉन्चिंग को पहले किया जाना था लेकिन हुरीकेने मिल्टन की वजह से टाल दिया गया था। बृहस्पति ग्रह की ऑर्बिट में पहुंचने के बाद नासा का यह यान तीन साल में यूरोपा चंद्रमा के नजदीक से 49 बार गुजरेगा। इसकी सबसे नजदीकी यात्रा यूरोपा मून की सतह से 25 किलोमीटर ऊंचाई की होगी। यूरोपा क्लिपर को वहां पर धरती से 20 हजार गुना ज्यादा मैग्नेटिक फील्ड का सामना करना पड़ेगा साथ ही भयानक रेडिशन का भी।

संचार और प्रौद्योगिकी के मामले में भारत दुनिया में सबसे गतिशील देश: मोदी

नई दिल्ली। आज से नई दिल्ली के प्रगति मैदान में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 की शुरुआत हो गई है जो कि 18 अक्तूबर 2024 तक चलेगी। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में 400 से अधिक प्रदर्शक, लगभग 900 स्टार्टअप और 120 से अधिक देशों की भागीदारी हो रही है। यह इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 का 8वां संस्करण है। हर साल की तरह इस साल भी इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 8वें संस्करण की थीम 'द फ्यूचर इज नाउ' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आज भारत दूरसंचार और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के मामले में दुनिया के सबसे गतिशील देशों में से एक है। पीएम मोदी ने यहां आईटीयू डबल्यूटीएसए 2024 और इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत, जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं, 95 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जहां दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक रियल-टाइम डिजिटल लेन-देन होते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रभावी साधन साबित हुई है, वहां वैश्विक दूरसंचार की स्थिति और भविष्य पर चर्चा भी वैश्विक भलाई का माध्यम बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईएमसी 2024 के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम भारत के डिजिटल विकास और दूरसंचार की प्रगति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक अवसर है। आईएमसी 2024 में भारत के 6जी दृष्टिकोण पर भी विशेष ध्यान होगा, जिसमें सरकार ने 6जी तकनीक के लिए भारत को वैश्विक नेता बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। भारत 6जी एलायंस के तहत, 6जी मानकीकरण में 10/ पेटेंट में योगदान करने का लक्ष्य रखा गया है, जो इस क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।

एक के बाद एक 8 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, किसी की दिल्ली, किसी को कनाडा में करनी पड़ी लैडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल से लेकर आज तक यानी 14 और 15 अक्टूबर को सात फ्लाइटों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। यह धमकी फर्जी मेल के जरिए दी गई है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई। मुंबई से उड़ान भरने वाली वाली तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सोमवार को बम की धमकी मिली। इसके बाद मंगलवार को नई दल्ली से शिकागो जा रहे एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी मिली। इतना ही नहीं थोड़ी देर पहले

जयपुर से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं।

इन फ्लाइट्स को मिली बम से उड़ाने की धमकी

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक 'एक्स' अकाउंट से चार विमान में बम होने की धमकी वाले पोस्ट जारी किए गए, जिनमें अयोध्या के रास्ते जयपुर से बेंगलुरु जाने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान (उड़ान संख्या आईएक्स765), दरभंगा से मुंबई जाने वाला स्पाइसजेट का विमान (उड़ान संख्या एसजी116), सिलिगुड़ी से बेंगलुरु जाने वाला अकासा एयर का विमान (उड़ान संख्या क्यूपी1373) और दिल्ली से शिकागो (अमेरिका) जाने वाला एअर इंडिया का विमान (उड़ान संख्या एआई127) शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की अयोध्या हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच की गई। उड़ानों की जानकारी देने वाली वेबसाइट के अनुसार, स्पाइसजेट और अकासा एयर के विमान सुरक्षित रूप से उतार लिए गए। वहीं, दिल्ली से शिकागो जा रहे एयर इंडिया के विमान को सुरक्षा जांच के लिए कनाडा की तरफ मोड़ा गया है।

बीजेपी को जल्द मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष, चुनाव पदाधिकारियों के नाम का पार्टी ने कर दिया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज चुनाव आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। दोनों ही राज्यों के नतीजे 23 नवंबर को आ जाएंगे। इन सब के बीच भाजपा में भी संगठन चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। दरअसल, भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का चुनाव कराने जा रही है। इसी के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव होगा। आपको बता दें कि वर्तमान में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पहले ही पूरा हो गया है। वह मोदी सरकार में मंत्री भी है। भाजपा हमेशा एक व्यक्ति एक पद पर फोकस करती है। ऐसे में संगठन का चुनाव करना उसके लिए जरूरी हो गया है।

यही कारण है कि भाजपा ने संगठन के चुनाव कराने के लिए अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए बकायदा भाजपा की ओर से प्रेस रिलीज जारी किया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसले के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉक्टर के लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी की नियुक्त किया है। उनके साथ नरेश बंसल, रेखा वर्मा और संबित पात्रा राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी होंगे। इसे तत्काल लागू कर दिया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा को बहुत जल्द ही नया अध्यक्ष मिल सकता है। नए अध्यक्ष को लेकर कई नाम चर्चाओं में है।

वायनाड सीट से प्रियंका गांधी लड़ेंगी चुनाव, कांग्रेस ने की घोषणा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अब वायनाड सीट पर उपचुनाव लड़ेंगी। इसकी घोषणा कांग्रेस की तरफ से कर दी गई। इसके साथ ही प्रियंका गांधी की चुनावी करियर अब शुरू हो गया। वैसे प्रियंका गांधी राजनीति में बहुत पहले ही एंट्री ले चुकी थीं, लेकिन वो सिर्फ पार्टी से ही जुड़ी हुईं थीं और किसी सदन की सदस्य नहीं थीं। प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने और लड़ाने की अटकलें काफी सालों से लगाई जा रही थी।

काश मोदी भी पाकिस्तान आते... एससीओ समिट को लेकर छलका नवाज शरीफ का दर्द, कहा- हम भीख मांग रहे हैं

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बैठक में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया था। अब इसको लेकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री का दर्द साफ झलका है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ ने आने वाले समय में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने पड़ोसी देश के साथ बेहतर संबंधों की वकालत की। नवाज ने भारतीय पत्रकार बरखा दत्त के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मैं हमेशा भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थक रहा हूं। उन्होंने उम्मीद जताई कि रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर है। नवाज ने कहा कि ये बहुत अच्छा होती अगर प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी भी एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होते। मुझे उम्मीद है कि निकट भविष्य में उन्हें और हमें एक साथ बैठने का अवसर मिलेगा।

निज्जर मामले ने कनाडा और भारत के रिश्तों को बिगाड़ दिया

*** विदेश मंत्रालय ने कहा- हमें ट्रूडो सरकार की प्रतिबद्धता पर भरोसा नहीं**

नागपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत और कनाडा में निज्जर की हत्या को लेकर जो तनाव पैदा हुआ था वह दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। पिछले साल सितंबर में कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी चरमपंथी निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में भारी तनाव पैदा हो गया था। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके बाद से ही भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आना शुरु हो गई थी।

इस तनाव के चलते अब भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है और कनाडा से अपने उच्चायुक्त और राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने का ऐलान कर दिया है। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से भारतीय राजनयिकों को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने यह कार्रवाई की है। भारत द्वारा उच्चायुक्त और कुछ अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का फैसला कनाडा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट व्हीलर्स को विदेश मंत्रालय में तलब किए जाने के कुछ ही समय बाद आया। भारत ने कहा कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को निराधार तरीके से निशाना बनाना अस्वीकार्य है।

अमेरिका मीडिया में कनाडा के कुछ अधिकारियों का नाम जाहिर किए बिना उनके हवाले से खबर छापी है कि कनाडा ने सोमवार को छह भारतीय राजनयिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। विदेश मंत्रालय ने देर शाम जारी बयान में कहा कि भारत ने प्रभारी राजदूत व्हीलर्स और उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट सहित कनाडा के छह राजनयिकों को 19 अक्टूबर रात 11ऱ59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ने को कहा है। निष्कासित किए गए अन्य राजनयिकों में मैरी कैथरीन जोली, इयान रॉस डेविड ट्राइट्स, एडम जेम्स चूइप्का और पाउला ओरजुएला शामिल हैं।

भारत ने भारतीय उच्चायुक्त के खिलाफ आरोपों को ''मनगढ़ंत'' और ''बेतुका'' बताते हुए इन्हें कनाडा सरकार के राजनीतिक एजेंडे से जुड़ा बताया है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को कनाडा से एक राजनयिक संदेश मिला, जिसमें कहा गया था कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में एक मामले के सिलसिले में चल रही जांच की निगरानी में हैं। विदेश मंत्रालय के सचिव ने कनाडा के प्रभारी राजदूत को तलब किया और उनसे कहा कि हिंसा और उग्रवाद के माहौल में कनाडा सरकार की कार्रवाइयों ने भारतीय राजनयिकों और अन्य अधिकारियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हमें उनकी सुरक्षा की मौजूदा ट्रूडो सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए भारत सरकार ने उच्चायुक्त और निशाना बनाए जा रहे अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह भी सूचित किया कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद को ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

भारत ने ट्रूडो के आरोपों को 'बेतुका' बताते हुए खारिज कर दिया। कनाडा के प्रभारी राजदूत व्हीलर्स ने कहा था कि उनकी सरकार ने वही किया है जो भारत लंबे समय से कहता आ रहा है। उन्होंने कहा था कनाडा ने भारत सरकार के एजेंटों

और कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक के हत्यारों के बीच संबंधों के प्रामाणिक और खारिज नहीं किए जाने वाले साक्ष्य प्रदान किए हैं। अब भारत अपने वादे पर खरा उतरे और उन आरोपों की जांच करे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात हादसाः कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर

> देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगंटे खड़े हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठ्ठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठ्ठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

क़ब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है बेशक प्रतिवर्ष 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है । केवल मात्र एक दिन बड़े-बड़े सैमिनार,गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जातें है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। ताज़ा हादसा 12 अक्टूबर को गुजरात के मेहसाणा के कड़ी कस्बे मे घटित हुआ जहाँ काम करते समय 9 मजदूर जिन्दा दफन हो गए सभी मजदूरों के शव निकाल दिए है दफन होने वाले मजदूर 25 से तीस साल के थेद्यमजदूरों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगीद्यदेश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तरकाशी में बेकसूर मजदूरों ने 17दिन और 16 रातें कैसे निकाली थी यह मजदूर ही जानते होंगेद्य खौफनाक मंजर क़ो कभी नहीं भूल पाएंगेद्य 17 दिन सूर्य क़े दर्शन नहीं हुए थेद्य मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगेद्य करोड़ों देश वासिओं की दुआएं रंग लाई और मजदूरों क़ो नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थेद्य 12 तारीख क़ो एक तरफ रविवार क़ो दीपावली क़े दिन जहाँ पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड क़े उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दु:खद हादसा हुआ था जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग क़े अंदर फंस गए थेद्य उत्तरकाशी क़े सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत क़े बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों क़ो बाहर निकालने क़े लिए जारी रेस्क्यू अभियान का 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा था और मजदूरों क़ो सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया थाद्य देश प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं।हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है।कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं।हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है।मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है।हादसों को देखकर रौगंटे खड़े हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठ्ठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठ्ठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाऊसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे।गत वर्ष एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए।यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे ।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई यह बहुत ही दुखद हादसा था। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में फिर एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं गत वर्ष महाराष्ट्र

में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें।कुछ दिन पहले निर्माणाधीन यह इमारत ताश मे पतों की तरह ढह गई यहां ज्यादातर मजदूर ही रह रहे थे ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया ।प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है। सरकार ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती लेकिन यदि पहले ही इन लोगों पर करवाई कर ली जाए तो ऐसे हादसे रुक सकते है मगर सरकारों की तन्द्रा तो हादसे के बाद ही टूटती है। आखिर कितने हादसों के बाद प्रशासन अपनी जिम्मेवारी निभायेगा इस प्रशन का जबाव सरकार को देना होगा। इमारतो का निर्माण करने वाले ठेकेदारों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो इन हादसों के लिये प्रत्यक्ष रुप से जिम्मेवार है।जो चंद चादी के सिक्कों के की चाहत के लिए मजदूरों की जिन्दगियां ले रहे हैं ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ा संज्ञान लेना चाहिए जो मानव की जान लेने से भी नहीं हिचकचाते ऐसे जल्लादों को सरेआम फांसी देनी चाहिए। देश में प्रतिदिन ऐसे मर्मातंक हादसे होते है मगर प्रकाश में नहीं आते। केन्द्र सरकार को मजदूरों के हित में कदम उठाने होगें तभी ऐसे हादसे रुक सकते हैंद्य

संपादकीय

अनुशासन की चिंता

कोई भी समाज संयम, सहिष्णुता और सद्भावना से ही सशक्त होता है। अगर कभी समाज इन लोकतांत्रिक भावनाओं के प्रतिकूल चलने लगता है, तो न केवल हिंसा की आशंका बढ़ जाती है, बल्कि समाज में भय का माहौल बन जाता है। वाकई संयम का ही अभाव था कि दिल्ली में सड़क पर रास्ता देने-न देने का एक मामला फिर जानलेवा हो गया। दशहरा मेले से लौट रहे दो भाइयों पर तीन अपराधियों ने ऐसे हमला बोल दिया कि एक भाई की मौत हो गई। क्या सड़क पर हुए इस विवाद को सद्भावना के साथ सुलझाया जा सकता था? क्या हम सड़क पर या समाज में संयम खोने लगे हैं? क्या हमारे मन में नाना प्रकार की कुंठाएं भरती चली जा रही हैं? क्या परस्पर ईर्ष्या ने हमें क्रोधी बना दिया है? एक बदलाव पर गौर करने की जरूरत है, पहले के दौर में अक्सर लोग कहते थे कि सहना सीखो, मिल-जुलकर रहना सीखो। गांधीजी के हवाले से भी अक्सर कहा जाता था कि कोई एक गाल पर थप्पड़ मारे, तो दूसरा आगे कर दो। अब जब शांति-अहिंसा के दर्शन को भुलाया जा रहा है, तब सड़क हो या समाज, लोग ईंट का जवाब पत्थर से देने को लालायित हैं। प्रतिमा विसर्जन के समय उत्तर प्रदेश के बहराइच में जो हुआ या झारखंड के गढ़वा में जो हुआ, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शायद हर समुदाय यह मानने लगा है कि पूरे समाज या देश को उसके हिसाब से चलना चाहिए, अगर देश या समाज उसके हिसाब से नहीं चलेगा, तो वे कानून हाथ में ले लेंगे। किसी शोभायात्रा पर पत्थर फेंकने की घटना सामान्य नहीं है, ध्यान दीजिए, नफरत के ये पत्थर कोई एक दिन में जमा नहीं हुए हैं। कई लोग बदला लेने या अपनी मनमानी चलाने के लिए भरे बैठे हैं, उन्हें कोई भी बार-बार याद नहीं दिला रहा है कि सद्भाव के साथ रहना ही समझदारी है। ऐसे लोग जगह-जगह हैं, तभी तो शोभायात्राओं पर जगह-जगह हमले हुए हैं। इसका एक दूसरा पहलू भी है, शोभायात्रा निकालने की अपनी शोभा है। शोभनीय ढंग से अगर ऐसा किया जाए, तो शायद ज्यादा समस्या नहीं होगी। उग्रता, हुड़दंग, अभद्र शोर, भड़काऊ नारेबाजी से क्या किसी यात्रा की शोभा बढ़ सकती है? हां, अगर कोई शोभनीय और आधिकारिक रूप से स्वीकार्य यात्रा पर आपत्ति करता है, तो यह किसी अपराध से कम नहीं है। धार्मिक आचरण की आदर्श स्थिति है कि आपके व्यवहार से किसी को तकलीफ न होने पाए। तकलीफ पहुंचाना अधर्म है। वैसे, ईमानदारी से यह भी देखना चाहिए कि लोग संयम, सहिष्णुता त्यागकर आखिर क्यों कानून अपने हाथ में लेने लगे हैं? किसी यात्रा का अशोभनीय होना और किसी शोभा यात्रा को निशाना बनाया जाना, दोनों ही स्थितियों में कानून-व्यवस्था की कमी जिम्मेदार होती है। पुलिस को ऐसी शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। हर समुदाय में शासन-प्रशासन की मजबूत पकड़ होनी चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही है, तो इसका मतलब यह भी है कि वहां के जन-प्रतिनिधि भी समाज में पलते विवादों को सुलझाने में नाकाम हो रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में शांति बनाए रखना प्राथमिक रूप से पुलिस और जन-प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। सामाजिक, धार्मिक संगठनों को भी समाज में उग्रता बढ़ाने के काम करने के बजाय विनम्रता को खाद-पानी देना चाहिए। समाज में चहुंओर बढ़ते गुस्से का यही समाधान है।

कब भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

(लेखख-ललित गर्ग)

(विश्व खाद्य दिवस-16 अक्टूबर, 2024)

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।' आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादा को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।'' अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी एवं कुपोषण की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता।

(चिंतन-मनन)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत- उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात- स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विचार मंथन

कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट की जांच क्यों नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर सोमवार को सुनवाई के बाद एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इस जनहित याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा कोरोना वैक्सीन के बाद जिस तरह से साइड इफेक्ट देखने को मिल रहे हैं। उसकी जांच कराने के लिए यह याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीबाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने इस याचिका को निरस्त करते हुए कहा, कि यह सनसनी फैलाने के लिए याचिका लाई गई है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कहा वैश्विक स्तर पर फैली महामारी पर संकट पाने के लिए वैक्सीन तैयार की गई थी। इस महामारी ने मानवता को हिलाकर रख दिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई किए बिना ही जिस तरीके से याचिका को खारिज किया है। उसने करोड़ों लोगों को निराश किया है। जो लोग वैक्सीन लगने के बाद से नई-नई विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें याचिका निरस्त होने से तगड़ा झटका लगा है। याचिका करता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में वैक्सीन लगने के बाद रक्त के थक्के जमने,शुगर बढ़ने और कई तरह के साइड इफेक्ट होने की बात याचिका में कही थी। जब कोरोना की महामारी फैली थी। तब कोरोना की वैक्सीन बनाना और उसे सुरक्षा की दृष्टि से लगवाना उस समय के हिसाब से सरकार का कदम सही था। लेकिन वैक्सीन लगने के बाद यदि कोई दुष्प्रभाव लोगों में देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में साइड इफेक्ट की जांच करना और उपयुक्त इलाज खोजना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ही जिम्मेदारी है। वैक्सीन लगने और नहीं लगने को लेकर यह याचिका नहीं थी। इस याचिका को इसलिए लगाया गया था। कोरोना महामारी से बचने के लिए जो वैक्सीन लगाई गई थी। मानव जीवन पर उसका किस तरह का प्रभाव हुआ है। इसके अलावा कोरोना महामारी के लक्षण होने पर जिन लोगों का इलाज अस्पतालों में हुआ था। मरीज के इलाज में जिस तरह की दवाइयों का प्रयोग किया गया था। मरीजों में उसके क्या असर हुए हैं। यदि कोई साइड इफेक्ट हैं,तो इसकी जांच होना जरूरी है। ब्रिटेन जैसे देश में कोरोना वैक्सीन और कोरोना महामारी के उपचार को लेकर कई तरह की जांच की गई है। वैक्सीन के साइड इफेक्ट को जानकर साइड इफेक्ट दूर करने के लिए मरीज को किस तरह की दवाई दी जाएं। जिससे मरीजों का जीवन सुरक्षित हो। ब्रिटेन की सरकार और ब्रिटेन की न्यायपालिका इसके लिए सजग है। नागरिकों के स्वास्थ्य की जवाबदारी सरकार और स्वास्थ्य विभाग की है। महामारी आती हैं, चिकित्सकों द्वारा हर संभव इलाज भी किए जाता है, महामारी के टीके भी समय-समय पर विकसित कर सुरक्षा की दृष्टि से सभी को लगाए जाते हैं। वैक्सीन की गुणवत्ता और उसके प्रभाव को कई स्तर पर जाँचने की व्यवस्था होती है। वैक्सीन का मानव जीवन में क्या प्रभाव पड़ा है। यदि कोई विपरीत प्रभाव है, उस दुष्प्रभाव को कैसे दूर किया जा सकता है। इसकी जांच हर हालत में होनी ही चाहिए। ब्रिटिश कंपनी एक्स्ट्रा जेनिका ब्रिटेन की हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई में शामिल है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग और ब्रिटेन की अदालतों में साइड इफेक्ट को लेकर जो बातें निकलकर सामने आईं हैं। उसके लिए कंपनी और सरकार क्या कर सकती है। इसका निर्णय वहां की न्यायपालिका कर रही है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के खोजकर्ताओं ने भी इस मामले में रिसर्च शुरू की थी लेकिन उसे रोक दिया गया। जिस महामारी का असर करोड़ों लोगों पर हुआ है। इस वायरस का कोई इलाज उसे समय चिकित्सा जगत के पास नहीं था। बीमारी सामने आने के बाद इलाज अपने-अपने तरीके से किए गए थे। जब कोरोना वैक्सीन आई, तो आशा की एक किरण जागी। लोगों ने वैक्सीन भी लगवाई। वैक्सीन लगने के बाद यदि कोई साइड इफेक्ट लोगों में देखने को मिल रहे हैं। तो साइड इफेक्ट के इलाज से ना तो सरकार को बचाना चाहिए। नाही न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहिए। इस मामले में ब्रिटेन की न्यायपालिका ज्यादा सजगता के साथ काम कर रही है। भारत में वैक्सीन लगने के बाद जिस तरह की मौत युवाओं की हो रही है।

बेहतर वित्तीय यात्रा के लिए दिवाली से लें सीख, निवेश को अनुष्ठान की तरह आदत बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल देशभर में हर किसी को सबसे बड़े त्योहार दिवाली का इंतजार रहता है। यह एक ऐसा अवसर होता है, जो लोगों को इसके लिए महीनों पहले से तैयारी करने पर मजबूर कर देता है। रोशनी का त्योहार समृद्धि के बारे में तो है ही, यह कुछ वित्तीय सबक लेने का अवसर भी है। अधिकांश घर दिवाली से ठीक पहले सफाई में लग जाते हैं, कई लोग इसे रंगवाने के अलावा मरम्मत भी कराते हैं। दिवाली की तैयारी बिल्कुल वैसे ही की जाती है, जैसे आप पर्सनल फाइनेंस के लिए करते हैं। बचत या निवेश के बारे में सोचने से पहले आप यह सोचें कि अपने फाइनेंस से भविष्य में क्या उम्मीद करते हैं। इसका अर्थ यह है कि भविष्य के लिए अपने वित्तीय लक्ष्य बनाएं। इनमें कम और लंबे समय के लक्ष्य शामिल होने चाहिए। अल्पावधि में नए साल की छुट्टियों की योजना और सेवानिवृत्ति व लंबी अवधि में कर्ज मुक्त होने जैसी चीजें शामिल होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि हर लक्ष्य से मेल खाने के लिए स्पष्ट समय और राशि आपके पास है। यदि आपके पास बचत है तो यह बैंक और अन्य प्रकार के जमा में होनी चाहिए। निवेश भी विभिन्न प्रकार के साधनों में होना चाहिए। इनमें म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार भी हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि पैसे को ऐसे साधनों में लगाए हैं जो आपके निवेश उद्देश्य के साथ आपके द्वारा उठाए जा सकने वाले जोखिम से मेल खाते हों। दिवाली का एक पहलू लक्ष्मी पूजा है। इस पर अक्सर कम चर्चा होती है, लेकिन हर कोई समृद्धि के लिए इसका पालन करता है। पूजा के लिए शाम का समय होता है जिसका पालन किया जाता है और जो सही समय पर ही होता है। आप भी सही समय का इंतजार करें।

ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ ट्राई की कार्रवाई, कीमतों में कटौती से सब्सिडी पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है।

कीमत में कटौती- ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के तहत एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच मॉडल की कीमत 74,999 रुपए से घटाकर 49,999 रुपए कर दी है।

एआरएआई की चिंता- एआरएआई ने ओला को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में मूल्य में कटौती के बारे में सूचित न किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस तरह की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी पाने की पात्रता को प्रभावित कर सकती है।

ओला ने एआरएआई को अपने मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपए बताई है, जिसके आधार पर 10,000 रुपए की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है।

यदि कीमत 49,999 रुपए कर दी जाती है, तो सब्सिडी घटकर 7,500 रुपए रह जाएगी, क्योंकि 15 फीसदी की सीमा कम एक्स-फैक्टरी कीमत पर लागू होती है।

पर्ल ग्रुप की पोंजी स्कैम के निवेशकों के चेहरे पर खुशी आई

▶▶ ईडी ने निवेशकों की रकम वापस करने का अभियान शुरू किया है ▶▶ यह पोंजी स्कैम करीब 50 हजार करोड़ रुपये का है

नई दिल्ली, एजेंसी। 50 हजार करोड़ रुपये के पर्ल ग्रुप पोंजी स्कैम मामले में अब 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटनी शुरू हो गई है। इस स्कीम में फंसे करीब 6 करोड़ निवेशकों को प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी धनराशि वापस करने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईडी ने कहा कि उसने पर्ल एग्रो ग्रुप की 700 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की डिटेल जस्टिस लोढ़ा कमिटी के साथ शेयर की है। लोढ़ा कमिटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया था। यह कमिटी जब्त की गई संपत्तियों के निपटान और पीड़ितों को धनराशि वापस करने का काम करती है।

सेबी ने लगाया था बैन

पर्ल एग्रो ग्रुप ने 18 वर्षों में 59 मिलियन (5.9 करोड़) निवेशकों से 49,100 करोड़ रुपये लिए थे। यह रकम अवैध रूप से ली गई थी। सेबी ने इस ग्रुप पर इस प्रकार से पैसा इकट्ठा करने को लेकर बैन लगा दिया था। इस मामले की जांच एक दशक पहले उस समय शुरू हुई थी जब सीबीआई ने फरवरी 2014 में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। ईडी की जांच में पता चला कि पर्ल ग्रुप के प्रमोटरों ने एक पोंजी स्कीम शुरू की थी। इसमें उन्होंने निवेशकों को प्लॉट आवंटित करने का वादा किया था। हालांकि, रिटर्न देने के बजाय प्रमोटरों ने कोलकाता में रजिस्टर्ड फर्जी संस्थाओं को धनराशि ट्रांसफर कर दी। फिर इन कंपनियों से नकदी के रूप में पैसा निकाला गया और हवाला चैनलों का उपयोग करके दुबई भेजा गया। इसके बाद इन पैसे को होटल और रिजॉर्ट खरीदने के लिए कई देशों में निवेश किया गया।

जांच में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में संपत्ति खरीदने में बड़ा निवेश किया गया था। 2018 में श्र्वष्ठ ने पीएसीएल और उसके प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू की ऑस्ट्रेलिया में 462 करोड़ रुपये की दो संपत्तियां जब्त कीं। चार साल बाद भारत में भंगू के ग्रुप की संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़ी 244 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

कई राज्यों में हुई तलाशी

पिछले हफ्ते ईडी ने इस राशि का पता लगाने के लिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तराखंड में 44 स्थानों पर तलाशी ली। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक श्र्वष्ठ ने गुरुग्राम में स्त्रऋ ग्रुप के प्रोजेक्ट स्त्रऋ पर्ल, स्त्रऋ सिटी, स्त्रऋ प्राइम के घर खरीदारों को पहले लॉट में 78 फ्लैट लौटाना शुरू कर दिया है, जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

लाखों का पैकेज छोड़ा, मॉडलिंग... फिर शुरू किया देसी काम, अब करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली- बिहार की आस्था सिंह ने 18 लाख की नौकरी छोड़कर किसानों की जिंदगी बदलने का बीड़ा उठाया है। मॉडलिंग को अलविदा कहकर उन्होंने ग्रामश्री किसान नाम से अपना कारोबार शुरू किया। यह आज 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंच गया है। आस्था बिहार के किसानों को खेती, पशुपालन और मछली पालन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आस्था सिंह पटना की रहने वाली हैं। उनकी शादी साल 2010 में हुई थी। पति विवेक कुमार रेलवे में इंजीनियर हैं। 12वीं के बाद से ही आस्था ने पढ़ाई के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी थी। पुणे से इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने एमबीए किया। इसके बाद कई नामी कंपनियों में काम किया। ओयो में सिटी हेड के पद पर रहते हुए उन्हें 18 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलता था। इससे पहले आस्था भारती इंफ्राटेल लिमिटेड में एनर्जी मैनेजर और टाटा टेलीसर्विसेज में इंजीनियर रह चुकी थीं। साल 2019 में उन्होंने बिहार सरकार के पशु और मत्स्य संसाधन विभाग में प्रोजेक्ट यूनिट कंसल्टेंट का पद संभाला।

मुंबई में फोटोशूट के बाद आस्था का चयन मॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए भी हुआ। लेकिन, परिवार की रजामंदी न मिलने के कारण आस्था फिलीपींस नहीं जा सकीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। फरि आस्था ने किसानों की जिंदगी बदलने का दृढ़ निश्चय किया। जून 2019 में उन्होंने ग्रामश्री किसान की शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले एक यूट्यूब चैनल शुरू किया। यहां खेती-बाड़ी और पशुपालन से जुड़े वीडियो अपलोड किए। साल 2020 में उनका मोबाइल एप लॉन्च हुआ। 2021 में पटना में ग्रामश्री किसान का पहला सेंटर खोला गया। आज ग्रामश्री किसान के बिहार के 26 ब्लॉक में सेंटर हैं। इससे 6 हजार से ज्यादा किसान जुड़े हुए हैं। पटना स्थित ग्रामश्री किसान का सेंटर 3 एकड़ में फैला हुआ है। यहां किसानों को बकरी, गाय, मुर्गी और मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान रहने, खाने और आने-जाने की सुविधा मुफ्त दी जाती है। इसके अलावा, किसानों को पशुओं का चारा, दाना और बाजार उपलब्ध कराने में भी मदद की जाती है। ग्रामश्री किसान के पोल्ट्री फार्म में 1000 मुर्गियां हैं, जबकि शुरुआत सिर्फ 100 मुर्गियों से हुई थी। इसी तरह, 2 गायों से शुरू हुआ आस्था का डेयरी फार्म आज 10 गायों वाला बन चुका है। आस्था के सेंटर में 50 बकरियां भी हैं। ग्रामश्री किसान को भारत और बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त है। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए उन्होंने अपनी 27 लाख रुपये की जमा पूंजी लगाई थी। उनकी पार्टनर फर्म ने 30 लाख रुपये का निवेश किया। इसके अलावा, बिहार सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी के तहत 10 लाख रुपये और भारत सरकार से 24 लाख रुपये की ग्रांट मिली।

11 साल में तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गया अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीवन के आधुनिक होने के बीच लोगों की भागदौड़ भी बढ़ गई है। इस बीच घरों में प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का दिनचर्या में कैसे घुसपैठ हो गई है, इसका पता ही नहीं चला है। यदि आप भी इसके आदि हैं, तो इससे तौबा कर लें। क्योंकि इससे न सिर्फ आपके घर का बजट बिगड़ रहा है बल्कि आपको खतरनाक बीमारियों के बीच भी धकेल रहा है। अभी एक रिपोर्ट आई है कि डायबिटीज के लगातार बढ़ते मामलों कसा सीधा संबंध अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से है। लेकिन इसका बाजार है कि बढ़ ही रहा है। साल 2022 में तो इसका बाजार बढ़ कर 2500 करोड़ रुपये के पार चला गया है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंसेज एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि डीप फ्राई, बेक्ड और ग्रिल किए गए अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स (एजीई) से भरपूर होते हैं। यह सूजन का कारण बनते हैं और डायबिटीज सहित कई बीमारियों का खतरा पैदा करते हैं। चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. वी. मोहन के हवाले से न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने खबर दी है कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या 101 मिलियन है। साथ ही 5 से 19 वर्ष की आयु के 10 प्रतिशत से अधिक बच्चे प्री-डायबिटिक हैं। इनमें से अधिकतर का कारण अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है।

भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इंडियन काउंसिल फोर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनोमिक रिलेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2011 में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार 723 अरब रुपये का था। यह 2016 में करीब दूना होकर 1,488 करोड़ रुपये का हो गया। साल 2021 में तो यह बार तीन गुने से भी ज्यादा बढ़ कर 2,535 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस साल कुल प्रोसेस्ड फूड का बाजार तो बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये के भी पार चला गया। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को कई श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। इसमें चॉकलेट और शुगर कंफेक्शनरी, साल्टी स्नैक्स, बीवरेजेज, रेडीमेड और कंवीनिएंस फूड्स और ब्रेकफास्ट सीरियल्स शामिल हैं। देखा जाए तो इस समय भारतीय परिवारों में व्हाइट ब्रेड, स्वीटेंड ब्रेकफास्ट सीरियल्स, फ्रॉजन फूड, एनर्जी ड्रिंक, फ्लेवर्ड पोटेटो चिप्स, सोडा, फ्लेवर्ड कैंडी बार, ब्लेंडेड कॉफी ड्रिंक, फ्रायड चिकन, मेस्ड पोटैटो फ्लेक्स आदि का सेवन खूब बढ़ रहा है। ये सभी अल्ट्रा प्रोसेड फूड ही हैं। डॉ. मोहन बताते हैं जब हम खाद्य पदार्थों को तलते या ग्रिल करते हैं तो इससे ऑक्सीडेटिव पैदा होता है जो सूजन को बढ़ावा देता है। शरीर में पुरानी सूजन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर से जुड़ी होती है। अत्यधिक ट्रांस वसा वाले फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

टमाटर, प्याज और आलू ने बिगाड़ा बजट, आसमान पर पहुंची कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि खत्म होने के बाद भी टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में कमी नहीं आई है। इन्होंने आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में जहां आलू 40 रुपये किलो मिल रहा है तो वहीं टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो पार पहुंच गई है। प्याज के दाम भी 60 रुपये किलो पर हैं। ऐसे में इन तीनों सब्जियों ने ही देश की महंगाई को प्रभावित कर दिया है।

टमाटर, प्याज और आलू की वजह से महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। नीति निर्माताओं के लिए खाद्य पदार्थों की बढ़ाई महंगाई एक चुनौती रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 45.9 प्रतिशत। बता दें कि आपूर्ति संबंधी झटके समग्र खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। हाल के महीनों में टीओपी की कीमतों में काफी उछाल आया है। खुदरा खाद्य और पेय पदार्थों में टीओपी की हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत और ओवरऑल सीपीआई में 2.2 प्रतिशत है, लेकिन उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव खुदरा मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है।

इनकी कीमतें बढ़ने के कई कारण हैं। पहला मौसम, भंडारण की समस्याएं और तीसरा आपूर्ति संबंधी समस्याएं। कई बार मौमस की मार के कारण इनकी फसल प्रभावित होती है। इससे ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कोल्ड स्टोर की कमी और दूसरे कारण से इनका भंडारण सही नहीं हो पाता। ऐसे में ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं फसल होने के बाद इनकी आपूर्ति को लेकर भी कई बार समस्याएं होती हैं।

सप्लाई चेन का बड़ा असर

इन सब्जियों की सप्लाई चेन में गड़बड़ी भी कीमतों में उतार-चढ़ाव का एक महत्वपूर्ण कारक है। स्टडी में पता चला है कि जिस मौसम में इनकी पैदावार कम होती है, उस समय इनकी कीमत बढ़ जाती है। वहीं जिस मौसम में पैदावार ज्यादा होती है, उस समय कीमत कम होती है। कई बार किसानों को अपनी फसल फेंकनी भी पड़ जाती है क्योंकि इन्हें खरीदने वाला कोई नहीं होता। उतार-चढ़ाव वाली मांग-आपूर्ति के कारण भी कीमतों पर असर पड़ता है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि टमाटर, प्याज और आलू के प्रोडक्शन में तेजी से वृद्धि हुई है। साल 2022-23 में टमाटर का प्रोडक्शन 20.4 मिलियन मीट्रिक टन , प्याज का प्रोडक्शन 30.2 एमएमटी और आलू का प्रोडक्शन 60.1 एमएमटी होने का अनुमान है। भारत अब दुनिया में टमाटर और आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसने दुनिया में प्याज के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है और 2022 में वैश्विक उत्पादन में 28.6 प्रतिशत का योगदान दिया है।

क्या अब कीमत कम होगी

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक अगले कुछ दिनों में टमाटर की कीमत कम हो सकती है। 100 रुपये किलो पार कर चुका टमाटर 50 से 60 रुपये प्रति किलो पर आ सकता है। वहीं प्याज और आलू की कीमत में भी गिरावट देखने को मिलेगी। इसका कारण है कि बाजार में आलू और टमाटर की नई फसल आनी शुरू होगी।

करन जौहर की धर्मा प्रोडक्शन में हिस्सेदारी लेगी रिलायंस

मुंबई एजेंसी। दोस्ताना, अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी...। ये कुछ फिल्में हैं, जिनमें एक समानता है। ये फिल्में एक ही प्रोडक्शन हाउस ने बनाई है। यह है धर्मा प्रोडक्शंस। अब खबर आई है कि देश के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीद सकती है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। माना जा रहा है कि इस सौदे से ऑयल से लेकर टेलीकॉम सेक्टर में कारोबार करने वाली इस कंपनी की भारतीय कंटेंट प्रोडक्शन इंडस्ट्री में स्थिति मजबूत होगी। इस सौदे में किसकी कितनी हिस्सेदारी होगी, इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

करन जौहर कोशिश में हैं

इस रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर पिछले कुछ समय से धर्मा में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के कारण यह सौदा हो नहीं रहा है। उल्लेखनीय है कि धर्मा में 90.7 प्रतिशत हिस्सेदारी करण जौहर और 9.24 प्रतिशत हिस्सेदारी उनकी मां हीरू की है। इसने अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी समेत कई लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों का निर्माण किया है।

ऐसा कहा जा रहा है कि हिंदी फिल्म उद्योग के सामने इस समय व्यापक वित्तीय चुनौतियां हैं। फिल्मों का प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ रहा है। थिएटर में दर्शकों की संख्या लगातार घट ही रही है। ऊपर से ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी कारण उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। अतीत में, रिलायंस ने बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी हासिल की थी। धर्मा के साथ भी इसी तरह की व्यवस्था की जा सकती है। संभावित हिस्सेदारी खरीद से रिलायंस के कंटेंट प्रोडक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा, जिसमें वर्तमान में जियो स्टूडियो, वायकॉम 18 स्टूडियो, कोलोसियम मीडिया और बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी शामिल है। इस बारे में रिलायंस और धर्मा ने श्वज्ञ के सवालों का जवाब नहीं दिया है। पहले बताया गया था कि धर्मा बहुलांश हिस्सेदारी बेचने के लिए उद्यमी संजीव गोयनका द्वारा समर्थित सारेगामा के साथ बातचीत कर रही है। 8 अक्टूबर को बीएसई फाइलिंग में सारेगामा ने कहा कि उसके पास रिपोर्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण अपडेट नहीं है।

क्या है धर्मा की आमदनी

धर्मा प्रोडक्शंस ने वित्त वर्ष 23 में राजस्व में लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 276 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,040 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि, कंपनी के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, टॉफ़लर से प्राप्त 1,028 करोड़ रुपये के खर्च के कारण शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत गिरकर 11 करोड़ रुपये रह गया।

अस्पताल में इलाज कराना अब और महंगा हुआ

ऑपरेशन के लिए सर्ज प्राइस के नाम पर काटी जा रही जेब

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर कोई शख्स किसी अस्पताल में इलाज कराने जा रहा है तो उसे आम दिनों के मुकाबले ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। दरअसल, काफी अस्पताल मरीजों से सर्ज प्राइस ले रहे हैं। अगर उस अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती हैं तो नए मरीज को इलाज के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। यह ठीक इस प्रकार है जैसे हवाई जहाज की टिकट में होता है।

हवाई जहाज में जैसे-जैसे पैसेंजर की संख्या बढ़ती है, टिकट महंगे होते जाते हैं। यात्रा से एक महीने या इससे पहले टिकट बुक कराने पर सस्ती टिकट मिलती है। अगर आपको कल ही जाना है तो टिकट महंगी हो जाएगी। क्योंकि फ्लाइट में यात्रियों की संख्या बढ़ रही होगी। यही तरीका अस्पताल अपना रहे हैं। इस तरीके से मरीजों के साथ बीमा कंपनियों को भी परेशानी हो रही है।

हेल्थ सेक्टर में एक नया चलन देखने को मिल रहा है। अगर किसी मरीज का कोई ऑपरेशन होना है और ऑपरेशन थिएटर उस समय लगभग भरे हुए हैं तो अस्पताल ऑपरेशन थिएटर के लिए पीक चार्ज या सर्ज चार्ज (एक्स्ट्रा चार्ज) ले रहे हैं।

जैसे-जैसे ऑपरेशन थिएटर भरेंगे, सर्च चार्ज बढ़ता जाएगा। इससे इलाज में अतिरिक्त खर्च आ रहा है। इससे मरीजों और इंश्योरेंस कंपनियों को बढ़ी हुई लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बीमा कंपनियां जो पहले पूर्वानुमानित लागतों के साथ व्यापक पैकेज पेश करती थीं, अब अनबंडलिंग की पेशकश कर रही हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक इलाज का खर्च साल-दर-साल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें महंगाई की दर सामान्य महंगाई की दर के मुकाबले 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है। वहीं अस्पताल के ऐसे नए नियम इस इलाज को और महंगा बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे नए नियमों के कारण इलाज के खर्च में करीब 20 फीसदी की तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि रुटीन प्रोसिजर जैसे लेप्रोस्कोपी या हिस्टेरेक्टोमीज भी अब अस्पतालों के नए नियमों में जुड़ गए हैं। यानी इनमें भी पीक चार्ज लागू हो रहा है।

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।' उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'

यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है क्योंकि उन्हें इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के शुरुआती रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोट लग गई थी। रोहित ने साथ ही बताया कि भारतीय थिंक टैंक क्यों चाहता था कि ये युवा तेज गेंदबाज सीनियर टीम के साथ रहें।

उन्होंने कहा, 'तो कल अगर हमें लगता है कि वे उस भूमिका (घायल तेज गेंदबाज की जगह) को निभाने के लिए तैयार हैं तो उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। बेशक उन्होंने हमारी घोषणा से पहले कुछ मैच खेले हैं।' रोहित ने कहा, 'उन्होंने दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी भी खेली है। इसलिए हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन पर अच्छी तरह से नजर रखी जाए। उनके काम के बोझ का ध्यान रखा जाए।' रोहित ने कहा कि ऐसा कदम उठाना जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट सफेद गेंद के प्रारूपों की तुलना में बिलकुल अलग खेल है और गेंदबाजों को इससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है।

अश्विन ने वीडियो में कहा, 'देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है।'

पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

बाबर, शाहीन का मजाक बना रहे पाक प्रशंसक

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में आजकल उथल पुथल मची हुई है। टीम की बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ हार से दिग्गज और प्रशंसक भड़के हुए हैं। इसी को देखते हुए चयन समिति के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तक को बाहर कर दिया गया है। बाबर के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को भी बाहर होना पड़ा है। कुल मिलाकर 4 प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। वहीं इस कारण कई नये खिलाड़ियों को अवसर मिले हैं। अब लोग अनुभवी खिलाड़ियों का मजाक बनाते हुए कह रहे हैं कि ये शायद मोहल्लों में बच्चों के साथ खेलते हुए दिखेंगे।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' अब ये लोग मोहल्लों के बच्चों के के साथ खेलेंगे। ' वहीं एक अन्य यूजर ने तंज कसा कि दिलों का दर्द कम हो जाता अगर जिम्बाब्वे के साथ एक दो सीरीज हो जाती।'एक अन्य यूजर ने लिखा, पाक क्रिकेट बर्बाद हो रहा है तो तीसरे ने लिखा, इन सबको निकालकर जो बदलाव होगा वह कितना सफल रहेगा। इसी कई लोग हैं जो इन खिलाड़ियों के बाहर किए जाने से नाराज जिकि कई तो बोर्ड पर भड़के हुए हैं। इन लोगों का कहना है कि इससे टीम बेहतर नहीं होगी।

बाहर किये गये खिलाड़ियों का हाल में प्रदर्शन खराब रहा है। वहीं पीसीबी चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा कि हमने बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और सरफराज अहमद और नसीम शाह को आराम दिया है जिससे ये तरोताजा हो सकें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम जीत की लय बरकारार रखने उतरेगी

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले बांग्लादेश को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के अलवा युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

शुभमन ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि यशस्वी ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे जाना रहेगा। शुभमन ने पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों की अंदर आती गेंदों का सामना करना सीख लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरी में तेज गेंदबाज हसन महमूद की गेंद पर परेशान रहे थे।

वहीं यशस्वी भी तेज गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों का शिकार बने हैं। ऐसे में इस सीरीज में उन्हें इस कमजोरी से निजात पानी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी तेज तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में शुभमन और यशस्वी की राह आसान नहीं रहेगी।

कप्तान रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया पर पिछली 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। इसक अलावा विराट ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है ,ऐसे में उन्हें अब रन बनाने होंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र से सावधान रहना होगा। इन दोनो ने पहले भी देखा जाये तो मेहमान टीम न्यूजीलैंड की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। हाल में उसे श्रीलंका ने 2-0 से हराया है। इस दौरान उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। उसके कोच ने भी माना है कि मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी भी फार्म में नहीं हैं। ऐसे में उसके लिए भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का सामना करना और भी कठिन रहेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में अश्विन और जडेजा अपनी फिरकी में उन्हें फंसा सकते हैं। इनके अलावा तेज जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में ही 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी विचार करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 9000 रन पूरे कर सकते हैं विराट, 53 रनों की है जरुरत

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार से यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस मैच में अपने 9000 रनों को पूरा करने का अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल 53 रनों की जरूरत है। विराट हालांकि पिछली आठ पारियों में केवल एक अर्धशतक बना पाये हैं पर प्रशंसकों को उनसे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। विराट ने ये अर्धशतक साल 2023 में दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। विराट के अभी 8947 रन हैं। अगर वह 53 रन बनाकर 9000 रन पूरे करते हैं तो ऐसा करने चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई। क्रिकेट में कई रिकार्ड बनते रहे हैं। ये रिकार्ड इसने बड़े स्तर के हैं कि इनका टूटना निकट भविष्य में संभव नजर नहीं आता है। इसी कड़ी में पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने सबसे अधिक विकेट के रिकार्ड बनाये हैं। इसमें श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। इस सूची में एकमात्र भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने अपने करियर में कुल 956 विकेट लिए हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने अपने करियर में कुल 1347 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 593 पारी खेली हैं। सबसे अधिक विकेट उन्होंने टेस्ट करियर में लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिवंगत शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने अपने करियर में कुल 1001 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने कुल 464 पारियां खेली थीं। उन्होंने भी सबसे अधिक विकेट टेस्ट करियर में ही लिए। वॉर्न कार साल 2021 में निधन हो गया था। तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं. जिन्होंने हाल में ही संन्यास की घोषणा की है। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 560 इनिंग्स खेली थी. जिसमें उन्होंने कुल 991 विकेट लिए थे। चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 501 मैचों में कुल 956 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने टेस्ट पारी में 10 विकेट लेने का भी कारनामा किया है. यह कारनामा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था. इस लिस्ट में पांचवे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा हैं। साल 2007 में संन्यास लेने वाले मैकग्रा ने अपने देश के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 493 पारियां खेली थी। इस दौरान उन्होंने 949 विकेट अपने नाम किए थे।

एचआईएल 2024: भारतीय कप्तान से ज्यादा ये खिलाड़ी बिके महंगे, नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला हॉकी इंडिया लीग पहली बार आयोजित हो रही है। इसका आयोजन बुधवार को दिल्ली में हुआ। इस ऑक्शन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए टीमों ने जमकर पैसा लुटाया। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेमसियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पूनिया जैसे नाम महंगे साबित हुए। हालांकि, कप्तान सलीमा टेटे से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों पर पैसा बरसा।

सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद महिला टीम की कप्तान भी पंजाब के ही हिस्सा आईं। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान जिनके लिए कई टीमों के बीच लड़ाई देखने को मिली। आखिर में सूरमा और बंगाल के बीच बीडिंग की लंबी लड़ाई चली और दुहान को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। हालांकि, ये पुरुष लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी की आधे से भी कम रकम है।

एचआईएल नीलामी : के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

न्यूजीलैंड को झटका, सियर्स भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

–अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी शामिल

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने में चोट के कारण सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को टीम में जगह दी गयी है। सियर्स को श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के लिए ट्रेनिंग के दौरान बाएं घुटने में दर्द उठा था। इसके लिए पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड में उनका स्कैन भी हुआ था। इसी को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, सियर्स के स्कैन में मेनिस्कस में चोट पाये जाने के बाद वह भारत दौरे पर नहीं भेजे गये हैं। पहले उम्मीद थी कि वह ठीक हो जाएंगे पर चिकित्सा सलाह के बाद उन्हें सीरीज से बाहर किये जाने पर फैसला हुआ है। वहीं मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, इस क्रिकेटर का बाहर होना निराशाजनक है। सियर्स ने घरेलू मैदान पर गर्मियों के दौरान अपने टेस्ट करियर की अच्छी शुरुआत की और एक वास्तविक तेज गेंदबाजी विकल्प दिया है। अब यह देखना बाकी है कि वह कब वापसी कर पाते हैं। हमें उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। डफी सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए छह एकदिवसीय और 14 टी20 मैच खेले हैं और अभी उनके नाम 299 प्रथम श्रेणी विकेट हैं। स्टीड ने कहा, सियर्स की जगह शामिल डफी के लिए यह अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। हमें तीन टेस्ट मैच खेलने हैं, इसलिए उनके पास टेस्ट डेब्यू करने का अच्छा अवसर है। काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेलने के जैकब के हालिया अनुभव ने निश्चित रूप से उनकी जगह पक्की कर दी है। टीम के लिए सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा है और हमें विश्वास है कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वे योगदान दे पाएंगे।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय महिला टीम का सफर फिर निराशाजनक रहा

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की उम्मीदें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही समाप्त हो गयीं थीं। इसके बाद बची हुई उम्मीदें पाकिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार से समाप्त हो गयीं। पाक के साथ ही भारतीय टीम भी महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। यह आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का नौवां सत्र था जिसमें भारतीय टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने साल 2020 में फाइनल खेला था। भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में थी। इस ग्रुप में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी थीं। इसमें भारतीय टीम का भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ था। भारतीय टीम को इस मुकाबले में 58 रन से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय महिला टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से हुआ था। इसमें भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। भारतीय महिलाओं ने इसके बाद श्रीलंका को भी आसानी से हरा दिया था। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 82 रन से जीता. यह टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत थी। भारत का आखिरी ग्रुप मैच ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया अपने पहले तीन मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था। भारत के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त खेल देखाकर 9 रन से जीत दर्ज की. भारत को इस मुकाबले को जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रन बनाने थे और उसके 5 विकेट बाकी थे। इसके बाद भी भारतीय टीम दबाव में 9 रन नहीं बना सकी थी। भारतीय टीम इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा ही हारती रही है।

मिताली राज का टीम इंडिया पर बड़ा हमला- 3 साल में कोई सुधार नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को महिला टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पिछले 3 वर्षों में खेल के विभिन्न विभागों में सुधार करने में विफल रहने को जिम्मेदार ठहराया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह पहली बार है कि भारत आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा। इससे टीम का विश्व कप खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ गया। इसके साथ ही कप्तान के रूप में उनके भविष्य पर गंभीर सवालिया निशान लग गए।

बहरहाल, मिताली ने कहा कि टीम के पतन का कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य बैठाने में विफल रहने के साथ बल्लेबाजी में स्पष्टता की कमी और खराब क्षेत्ररक्षण था। भारत की पूर्व कप्तान मिताली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार ने इस बात को साबित किया कि इस टीम ने पिछले तीन साल में कोई सुधार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच की बात करूं तो यह जीतने लायक मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी परिपाटी का पालन कर रहे हैं जिसमें मैच को आखिरी ओवरों तक ले जाकर हार का सामना करना शामिल है। यह रणनीति कारगर नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले दो-तीन वर्षों में मैंने वास्तव में इस टीम में कोई विकास नहीं देखा है। मेरा मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ टीम को हराने के लिए आप हमेशा तैयारी करते हैं। ऐसा लगता है कि हम अन्य टीमों को हरा रहे हैं और हम इससे काफी खुश हैं। मिताली ने कहा कि इस टूर्नामेंट में हर दूसरी टीम ने सीमित गहराई के बावजूद विकास दिखाया है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण दक्षिण अफ्रीका है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को अनुकूल परिस्थितियों में मिली हार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारी खिलाड़ियों ने धीमी विकेटों से सामंजस्य बैठाने में समय लिया जबकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ऐसा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि 'हैरानी की बात यह है कि हमें विकेट की धीमी गति से तालमेल बैठाने में समय लगा। वनडे विश्व कप के विपरीत यह एक छोटा टूर्नामेंट है। आपके पास परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है। सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हमारे खिलाफ इतने रन बनाने में सक्षम थी और वह धीमी पिचों पर खेलने की आदी नहीं है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफलेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

गाजा में स्कूल पर हमले में बच्चों समेत 20 लोगों की मौत, सुरंग में इजराइली सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी कर रहे सरैंडर

येरूसलम, एजेंसी। मध्य गाजा में एक स्कूल में इजराइल के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अस्पताल ने यह जानकारी दी। नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाएं भी मारी गईं। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी हैं। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। शवों को नुसरत के अल-अवदा अस्पताल और दीर अल बला के अल-अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की बमबारी और गाजा पर उसके जमीनी आक्रमण में 42 हजार से अधिक फिलीस्तीनी मारे गए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के आतंकवादी अब इतने डरे हुए हैं कि वे मरने से बचने के लिए इजराइली बलों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों दक्षिणी लेबनान के एक गाँव में भूमिगत ढाँचे (सुरंग) में रह रहे एक आतंकवादी ने वहाँ पहुँची सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी टनल तक पहुंच गई जिसका एक वीडियो भी शेयर किया गया है जिसमें सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी सरेंडर करते दिखे। बता देमं दक्षिणी लेबनान में टनल में बड़ी संख्या में हिजबुल्लाह के आतंकी सक्रिय हैं जिनके खात्मे के लिए ढ्ढष्ठस्न लगातार इन टनल को निशाना बना रही है। राजधानी बेरूत पर इजराइल के हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। इस हमले में 22 लोग मारे गए थे। बाद में हिजबुल्ला ने कहा कि उसने इजराइल के विशिष्ट 'गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया तथा ड्रोन के हमले के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर कब्जा करने के लिए कई मिसाइलें दागीं।

अमेजॉन की जनजाति पर इंटरनेट का असर, शिकार छोड़कर फोन चलाते रहते हैं लोग

वाशिंगटन एजेंसी। इंटरनेट ने लोगों की जिंदगी को अच्छे और बुरे दोनों ही तरीकों से प्रभावित किया है। दूरस्थ अमेजॉन के जंगलों में रहने वाली जनजाति भी इसके प्रभाव से अपने आप को अछूता नहीं रख पाई है। अमेजॉन की मरूबो जनजाति के लोग पिछले दशक तक आधुनिक दुनिया से पूरी तरह से दूर रहते थे लेकिन पिछले कुछ समय में इंटरनेट ने उनकी दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जंगलों में बहुत अंदर बसे होने के कारण 2023 तक इनके पास मोबाइल फोन तो थे लेकिन लेकिन नेटवर्क ना होने की वजह से वह आधुनिक तकनीकि से अधिक प्रभावित नहीं थे। लेकिन फिर एलन मस्क ने इस क्षेत्र में अपने सैटेलाइट इंटरनेट स्टारलिंक को लॉन्च करके पूरी कहानी पलट दी। मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने इस जनजाति के गांव में कुछ एंटीना लगाए और अमेजॉन वर्षावनों की गहराई में रहने वाली मोरुबो जनजाति तक भी इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित कर दी। सितंबर 2023 में इंटरनेट की पहुंच के बाद इस जनजाति के लोगों के जीवन में बहुत ही तेजी से बदल गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में इस गांव के बदले हुए हालातों को बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव में लोगों के पास पहले से फोन थे लेकिन इंटरनेट ना होने की वजह से वह इनका उपयोग केवल फोटो खींचने और कभी-कभार बात करने के लिए करते थे लेकिन जब स्टारलिंक यहां आया तो जिंदगी बदल गई। त्साइनमा मोरूबो ने टाइम्स को बताया कि हमारी जनजाति में पहले लोग बहुत खुश रहते थे। अब वह दिन भर अपना काम काज छोड़कर मोबाइल फोन पर ही लगे रहते हैं। हमारे युवा जिन्हें काम करना चाहिए, वह इंटरनेट की वजह से आलसी हो रहे हैं। वे गोरे लोगों के तौर-तरीके सीख रहे हैं और लगातार अपनी जड़ों से कट रहे हैं। जनजाति के नेता अल्फ्रेडो मारुबो ने कहा कि युवा लोग अपने फोनों में अश्लील वीडियो देख रहे हैं।

यूक्रेन पर आफत गिरी, नारंगी हो गया आसमान; रूस का गुप्त हथियार जो किसी के पास नहीं

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दिन बढ़ने के साथ खतरनाक होता जा रहा है। इस महायुद्ध को अगले साल फरवरी महीने में तीन साल पूरे हो जाएंगे। इस बीच पूर्वी यूक्रेन के एक शहर कोस्तियातिन्विका में रूस का ऐसा गुप्त और रहस्यमयी हथियार गिरा, जिसने पूरी दुनिया में कौतूहल बढ़ा दिया है। यह गुप्त हथियार दुनिया में इकलौता और सबसे उन्नत किस्म का है, जो रूस के अलावा किसी और के पास नहीं है। जब यह यूक्रेन में फटा तो कुछ देर के लिए आसमान नारंगी हो गया। यूक्रेनियों ने ऐसा नजारा पहली बार देखा और मारे दहशत के बंकरों में छिप गए। इतने लंबे वक्त से चल रहे इस युद्ध में कभी इस हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यूक्रेन आशंकित है कि रूस का यह हथियार बताता है कि वह कुछ बड़ा करने की योजना बना रहा है। इस गुप्त हथियार से किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। ऐसी चर्चाएं हैं या तो यूक्रेनी लड़ाकों ने इसे हवा में ही नष्ट कर दिया या रूस द्वारा गलती से छोड़े जाने पर उसी ने इसे नष्ट कर दिया, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस गुप्त हथियार के साथ रूसी लड़ाकू विमान भी आसमान पर दिखाई दिए। रूस नहीं चाहता था कि यह दुश्मन के हाथ लगे और इस हथियार से जुड़ी जानकारी दुनिया के सामने आए। यह हथियार रूस का प्रसिद्ध एस-70 ओखोत्निक ड्रोन बताया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस तरह का उन्नत हथियार दुनिया में किसी के पास नहीं है। इससे पहले रूस ने जब भी यूक्रेन पर हवाई हमले किए हैं, आसमान पर सफेद रंग की रोशनी दिखाई दी है, लेकिन इस बार पूरा आसमान नारंगी रंग में नहाया हुआ दिखाई दिया।

दुनिया की इस जमीन पर नहीं है किसी भी देश का कब्जा, कोई भी जाकर बन सकता है पीएम

येरूसलम, एजेंसी। जमीन के लिए दुनिया के कई हिस्सों में देशों के बीच में लड़ाई मची हुई है। सबसे बड़ी लड़ाई इस वक्त फिलीस्तीन और इजरायल के बीच मची हुई है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन इजरायल से कुछ किलोमीटर दूर ही जमीन का एक हिस्सा ऐसा है जिस पर कोई भी देश कब्जा नहीं करना चाहता। दरअसल, हम बात कर रहे हैं बिर ताविल नामक क्षेत्र की, जो कि इजिप्ट और सूडान की सीमा के बीच में बसा हुआ है। इस रेगिस्तानी क्षेत्र पर ना तो सूडान अपना दावा करता है और ना ही इजिप्ट।

पिछले 60 सालों में यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय नेताओं के लिए एक चुनौती बना हुआ है। सहारा रेगिस्तान के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में बसे इस 2060 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र का नाम खानाबदोशों ने बीर ताविल रखा है, जिसका अरबी में अर्थ होता है ऊंचा पानी वाला कुंआ।

आखिर कोई देश क्यों कब्जा नहीं करना चाहता : सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक तरफ जहां पड़ोस में ही जमीन के एक छोटे से हिस्से के लिए इतना बड़ा युद्ध चल रहा है ऐसे में क्यों इजिप्ट, सूडान या फिर कोई अन्य देश इस खाली जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता.. दरअसल, इसके पीछे का कारण भी ब्रिटेन और 20वीं सदी में उसके द्वारा खींची गई सीमाएं ही हैं। एक समय पर इस पूरे इलाके पर ब्रिटेन का कब्जा था, 1899 में ब्रिटेन और तत्कालीन सूडान सरकार के बीच हुए सीमा समझौते में एक सीमा रेखा खींची गई थी। कुछ ही समय बाद बिट्रेन के छोड़कर चले जाने के बाद इलाके में परेशानी होनी शुरू हो गई, लेकिन इस क्षेत्र को लेकर विवाद तब और ज्यादा बढ़ गया जब इजिप्ट और सूडान के बीच में 1902 में एक और सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इन दोनों सीमा समझौतों के कारण बिर ताविल एक ऐसा क्षेत्र बन गया कि अगर कोई देश उस पर अपना अधिकार जमाता है तो उसे एक बड़े हिस्से (हलाब त्रिभुज) पर से अपना अधिकार खोना पड़ेगा।

क्योंकि बिर ताविल एक सूखाग्रस्त इलाका है इसलिए यहां की जमीन में ना तो किसी तरह के कोई मिनरल्स हैं और ना ही यह जमीन उपजाऊ है। इसके कारण ना तो सूडान और ना ही इजिप्ट इस इलाके को अपने देश में शामिल करना चाहता है। दोनों ही देशों ने इस वनस्पतिविहीन और जनसंख्या विहीन इस रेगिस्तानी क्षेत्र के विवाद को अनसुलक्षा छोड़ना ही बेहतर समझा है। देशों ने छोड़ा तो लोग नया देश बनाने की कोशिश करने लगे दोनों देशों ने जब इस रेगिस्तानी इलाके के ऊपर के अपने विवाद को अनसुलझा छोड़ने का मन बना लिया तो कई लोगों ने इस पर अपना कब्जा जमाने की कोशिश की। 2014 में वर्जीनिया के एक किसान ने बिर ताविल में एक झंड़ा गाड़ दिया और खुद को उत्तरी सूडान के राज्य का गवर्नर घोषित कर दिया। उनका कहना था कि वह चाहते हैं कि उनकी बेटी राजकुमारी बनें। इसके लिए उन्होंने अपना झंडा बनाया और यहां पर गाड़ दिया। लेकिन उनके दावे को निरस्त कर दिया गया। इस घटना के तीन साल बाद 2017 में इंदौर के रहने वाले एक शख्स ने इस जगह को अपना देश घोषित कर दिया और इस जगह का नाम 'किंगडम ऑफ दीक्षित' रख दिया। उन्होंने अपने आप को यहां का राजा घोषित किया और अपने पिता को अपना प्रधानमंत्री बना लिया। इन दोनों के अलावा कई और लोगों ने भी इस जगह को अपना देश बनाने की कोशिश की। लेकिन सहारा के रेगिस्तान में इस जगह को लेकर ऐसा करना एक घूमने के उद्देश्य से ही किया गया था। सूखाग्रस्त होने की वजह से किसी भी देश की इस इलाके में दिलचस्पी नहीं है।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई पीएम जस्टिन टूडो की मुश्किलें बढ़ीं, अपने ही सांसदों ने घेरा

ओटावा एजेंसी। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी ही पार्टी के सांसदों का उन पर भरोसा नहीं रहा है। कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के भीतर सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। सीबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल ही में हुए उप-चुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है, जिसके कारण असंतुष्ट सांसदों के बीच कई गुप्त बैठकें हुई। ये सांसद प्रधानमंत्री पद से जस्टिन ट्रूडो को हटाना चाहते हैं और नेतृत्व में बदलाव के लिए कम-से-कम 20 नेताओं ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी साल जून महीने में टोरंटो-सेंट पॉल उपचुनाव में ट्रूडो की पार्टी आश्चर्यजनक हार हुई थी, जिसके बाद से ही उनकी पार्टी में जबरदस्त असंतोष पनप रहा है। संसद की वापसी के साथ यह अशांति और बढ़ गई और मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और भी बढ़ गई। एशिया में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन में ट्रूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ कैटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को बैठक करने और आगे की रणनीति बनाने का मौका दे दिया। इससे पहले, टोरंटो स्टार के शुक्रवार के एक पुराने आर्टिकल में भी 52 वर्षीय ट्रूडो पर पद छोड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से दबाव डालने की कोशिशों के बारे में विस्तार से बताया गया था। अखबार ने बताया कि कम-से-कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। ट्रूडो पर दबाव बनाना चाहते हैं लिबरल पार्टी के सांसद हालांकि, आर्टिकल में बताई गई संख्या से असल आंकड़े कुछ कम हो सकते हैं। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटें हैं। असहमति जताने वाले नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित इस दस्तावेज को पारंपरिक पत्र के बजाए एक प्रतिज्ञा के रूप में बताया गया है, जिसका उद्देश्य ट्रूडो के इस्तीफे के लिए सांसदों से प्रतिबद्धता हासिल करना है, ताकि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से विरोध होने पर एक बाध्यकारी समझौता बनाया जा सके।

डोनाल्ड ट्रंप की जान के पीछे पड़े दुश्मन, हत्या का एक और प्रयास; रैली में संदिग्ध बंदूकधारी गिरफ्तार

बेरूत, एजेंसी। क्या अमेरिका में चुनाव में दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का तीसरी बार प्रयास हुआ है? दरअसल, रिपब्लिकन कैंडिडेट की कैलिफोर्निया रैली के पास सुरक्षा चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। इसके पास से गोलियों से भरीं बंदूकें, कई पासपोर्ट और नकली लाइसेंस प्लेट बरामद हुआ। इसे लेकर आशंका जताई जा रहा है कि यह शख्स रैली में ट्रंप की हत्या करने के मकसद से आया था। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ चाड बियांको ने कहा, हमारा मानना है कि विभाग ने हत्या के प्रयास को रोक दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ये फिलहाल अटकलें ही हैं। जेल रिकॉर्ड के मुताबिक, संदिग्ध को शनिवार को जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि संघीय जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हम यही जानते हैं कि संदिग्ध अलग-अलग नामों से कई पासपोर्ट, फर्जी लाइसेंस प्लेट, बिना नंबर वाली गाड़ी और हथियारों के साथ चुनावी रैली में पहुंचा था। इसे देखते हुए विश्वास है कि हमने हत्या के एक और प्रयास को रोक दिया। इससे पहले, ट्रंप पर हमले की घटना बीते महीने उस समय हुई जब वह गोल्फ खेल रहे थे। उनसे कुछ ही दूरी पर तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर मैदान के किनारे झाड़ियों के बीच एके राइफल का हिस्सा बाहर निकला हुआ था।

हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर दागे ड्रोन, 4 सैनिकों की मौत और 60 से ज्यादा घायल

बेरूत, एजेंसी। ईरान समर्थित आतंकी गुट हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर ड्रोन हमले किए हैं। यह अटैक इतना घातक था कि 4 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं। इजराइली बचाव सेवा की ओर से कहा गया कि बिनयामीना शहर में स्थित सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। इजरायल की वायु-रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। हालांकि, इस बार नुकसान पहुंचा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से 2 ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। हिजबुल्लाह ने बयान में कहा कि उसने बेरूत में इजरायल की ओर से किए गए 2 हमलों के जवाब में इजरायल की सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। गुरुवार को बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले 2 दिन में यह दूसरी बार है जब इजरायल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के उपनगर में ड्रोन अटैक हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हिजबुल्लाह के 50 लड़ाकों को मार गिराया- इजरायली सेना दूसरी ओर, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50 आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार रखे गए थे। इस बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपना अभियान जारी रखा। सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और टैंक फायर, शॉर्ट-रेंज फायर व वायु सेना के हमलों के माध्यम से कई आतंकवादियों को मार गिराया।

इजरायल पर आंच नहीं आने देगा अमेरिका, अब सबसे धांसू रक्षा प्रणाली की तैनाती का ऐलान

वाशिंगटन। इजरायल ईरान के बीच तल्खी बढ़ने के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। एक और जहां अमेरिका का कहना है कि वह क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी तरफ वह अपने साथी इजरायल को जंग में हर मोर्चे पर मदद भी कर रहा है। अमेरिका कथित तौर पर अपने सबसे बेहतरीन एंटी-मिसाइल सिस्टम, टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस को इजराइल भेज रहा है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भी इजरायल भेजा जाएगा। इससे पहले 13 अक्टूबर को ईरान ने अमेरिका को इज़राइल का साथ ना देने की चेतावनी दी थी। हालांकि इसके तुरंत बाद ही अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर इस कदम को उठाने का ऐलान किया है। हाल ही में 1 अक्टूबर को ईरान ने इज़राइल में 180 मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद से ही इजरायल इन हमलों का जवाब देने की तैयारी में है जिससे क्षेत्र में कभी भी जंग भड़क सकता है। थाड अमेरिका में निर्मित एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है। इसे बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह छोटी, बड़ी और कम दूरी की मिसाइल हमले को आसानी से बेअसर कर सकता है। थाड एक बड़े इलाके को कवर कर सकता है और 150-200 किलोमीटर के बीच की दूरी पर दुश्मन के लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इससे पहले इजरायल ने पैट्रियट सिस्टम को भी तैनाती की थी। हर थाड बैटरी में आमतौर पर छह ट्रक-माउंटेड लॉन्चर, इंटरसेप्टर, रडार शामिल होते हैं और इसे संचालित करने के लिए करीब 95 सैनिकों की जरूरत होती है। अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण हिस्सा इस तैनाती से अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में सीधे तौर पर कूदने के संकेत दे रहा है। ईरान ने इज़राइल के खिलाफ मिसाइल हमले किए हैं और अमेरिका जवाब में इज़राइल की रक्षा में हर संभव प्रयास करने की बात कर चुका है। अब थाड सिस्टम की तैनाती से इजरायल की वायु सेना की क्षमता कई गुणा मजबूत हो जाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी सेना में फिलहाल सात थाड हैं।

इजरायल पर 9/11 जैसा हमला करने वाला था हमास, ऐसा क्या हुआ जो पीछे हट गए आतंकी

गाजा, एजेंसी। हमास के एक हमले के जवाब में इजरायल ने आतंकियों के गढ़ गाजा और राफा को श्मशान बना दिया है। कम से कम 44 हजार लोग मार डाले। इस भीषण नरसंहार से पहले हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर इजरायल पर विनाशकारी हमला किया था। यह हमला इतना भयावह था कि महज 20 मिनट में 5000 मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों की इतनी संख्या के कारण इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम भी उसे रोकने में नाकाम रहा। नतीजन इस हमले में 1200 से ज्यादा लोग मारे गए और इसके बाद हमास ने सीमा पार करके सैकड़ों को बंधक बना लिया। 250 में से 100 बंधक अभी भी उसके कब्जे में हैं। जिन्हें इजरायल छुड़ाने की जद्दोजहद में है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि हमास ने 7 अक्टूबर से पहले इजरायल पर 9/11 जैसा हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐन वक्त पर उसे प्लानिंग बदलनी पड़ी। 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास का इजरायल पर हवाई हमला न सिर्फ इजरायल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी उतना ही चौंकाने वाला था। इस हमले को लेकर हाल ही में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि इसकी योजना कई वर्षों से बनाई जा रही थी और इसे 2022 में ही अंजाम देने की योजना थी। हमास अमेरिका पर हुए 9/11 हमला जैसा करने की योजना बना रहा था। द न्यू यॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने इसे लेकर सनसनीखेज रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, हमास इजरायल पर एक साल पहले ही हमला कर लेता, लेकिन हिजबुल्लाह और ईरान से मदद मिलने में देरी के कारण यह मुमकिन नहीं हो पाया। हमास इन दोनों की मदद से अतिरिक्त धन से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहता था। हमास नेताओं और ईरानी अधिकारियों के बीच हुई वार्ता से जुड़े दस्तावेजों से पता चलता है कि हमास की प्लानिंग 7 अक्टूबर जैसे भयावह नरसंहार से कहीं अधिक थी।

हमास का बिग प्रोजेक्ट : ऐसा पता चलता है कि जनवरी 2022 की शुरुआत में ही हमास एक बड़े पैमाने पर ऑपरेशन पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें इजरायल में घुसकर उसके फेमस अजरीली टॉवर को 9/11 की तरह उड़ाने का विचार था। अलकायदा ने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका में दो विमानों का अपहरण किया और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में क्रैश कर दिया। इस हमले ने अमेरिका को हिला दिया था। जवाब में अमेरिका ने कुछ ही महीनों के भीतर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान स्थित उसके ठिकाने पर मार गिराया। दो वर्षों तक हमास का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इजरायल को तगड़ी चोट देकर बड़ा आघात करना चाहता था। इसके लिए उसने ईरान और हिजबुल्लाह के साथ 10 हाई लेवल की बैठकें भी की।

7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की साजिश में शामिल था ईरान? तेहरान ने दिया जवाब

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दल ने उन सभी रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें ईरान के ऊपर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। 7 अक्टूबर को हुए हमले को लेकर इजरायली सेना के हवाले से अमेरिकी अखबारों और इजरायली सरकार ने यह दावा किया था कि इजरायल के ऊपर अचानक हमला करने से पहले हमास ने एक गुप्त मीटिंग के जरिए ईरान और हिजबुल्लाह को इस बात की जानकारी दी थी। ईरानी मिशन से मीडिया कर्मियों ने जब इन दावों के ऊपर सवाल पूछा तो उन्होंने इन्हें पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं कतर में मौजूद हमास के उच्च अधिकारियों ने भी 7 अक्टूबर को हुए हमलों के बारे में बताया कि इस मिशन की जानकारी केवल गाजा में ऑपरेट कर रही हमास की सैन्य शाखा को थी। इस पूरे मिशन में उन्हें ही योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देश देने की जिम्मेदारी दी गई थी। ऐसे में इस घटना से किसी भी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह को जोड़ना गलता है। इससे पहले शनिवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इजरायली सेना ने अपने जमीनी अभियान के द्वारा हमास की गुप्त मीटिंगों के बारे में कुछ दस्तावेज जब्त किए थे, जिन्हें बाद में अखबार को दिए गए। इन दस्तावेजों में 7 अक्टूबर के हमले के साथ-साथ याह्या सिनवार और हमास के महत्वपूर्ण सूचनाएं दर्ज थीं। इन दस्तावेजों में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह दावा किया गया था कि हमास ने हिजबुल्लाह और ईरान को इस हमले के बारे में मनाने की कोशिश की थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला करके करीब 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके साथ ही हमास के आतंकवादी करीब 250 लोगों को बंधक बना कर अपने साथ गाजा ले गए थे। इसके बाद इजरायल ने हवा और जमीन दोनों जगहों से गाजा पर हमला बोल दिया।

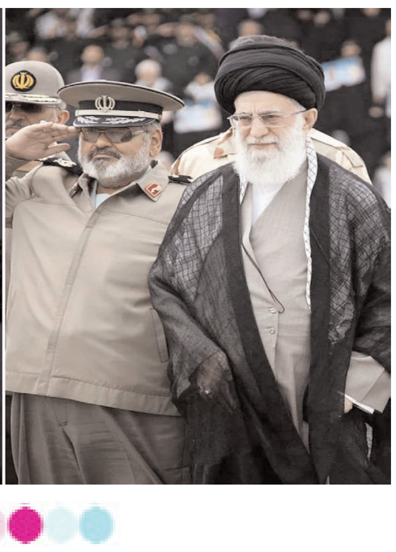

पिछले एक साल में इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ कर रख दी। इन हमलों के बाद लेबनान का हिजबुल्लाह और ईरानी सरकार लगातार हमास का समर्थन करते हुए नजर आए हैं। लेबनान लगातार इजरायल के ऊपर मिसाइलों और रॉकेटों से हमला कर रहा है जिसके कारण इजरायल ने हमास के बाद लेबनान में भी जमीनी कार्रवाई करने का फैसला किया और हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नसरल्लाह की हत्या कर दी थी।

राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला, कही ये बड़ी बात

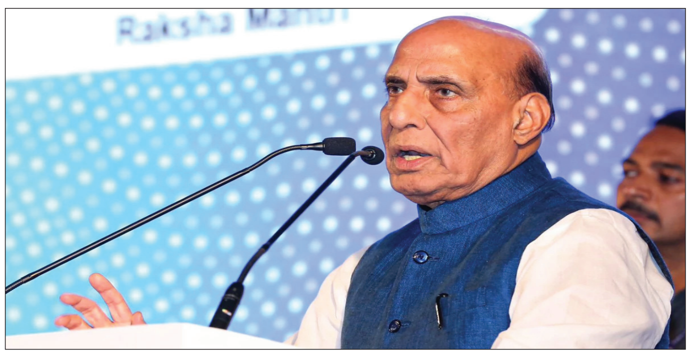

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूँ। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नज़र में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है।

राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की आज जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के डिफ़ेन्स सेक्टर में जो महान योगदान किया है उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास भी इस बात का गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया मेंअपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तो हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना तो जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मज़बूत होना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तो चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर इस प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बातहो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियाँ का पूरा ध्यान रखा गया है। हमने इस बात का भी ध्यान रखा है, कि इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण के समय, अगर कहीं जरूरत हुई तो, प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की भी व्यवस्था सुनिश्चित करना की जाएगी।

लगा पटाखे फूट रहे हैं, तभी लोग चिल्लाने लगे फायरिंग हुई, फायरिंग हुई

-बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में घायल बोला-ऐसा लगा कोई पटाखा पैर के पास फूटा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत?याकांड के दौरान ही पैर में गोली लगने से घायल हुए युवक राज कनौजिया की स्थिति खतरे से बाहर है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जताया और वारदात के बारे में बताया कि गोली लगने के बाद अब वह दो महीने तक किसी भी तरह के एक?शन से दूर रहेगा, जिसके चलते अगले साल फरवरी में होने वाली उसकी बहन की शादी में शामिल होना मुश्किल हो जाएगा। कनौजिया का कहना है कि जब गोली चली तो उसे लगा कि पैर के पास आकर कोई पटाखा फूटा है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स ने उसकी सर्जरी की है। राज ने बताया कि दशहरा होने के चलते उसकी छुट्टी शाम 5 बजे हो गई थी। वह सिलाई का काम करता है। देव मां के दर्शन करने के लिए वह यहां आया था और दुकान पर खड़े होकर जूस पी रहा था। तभी अचानक वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान राज के पैर में कुछ आकर टकराया। देखा तो उसके पैर से खून निकल रहा था। लोग इधर-उधर भागने लगे। लोग चिल्लाने लगे, फायरिंग हुई है, फायरिंग हुई है। एक पैर पर लंगड़ाते हुए वह किसी तरह मंदिर में पहुंचा। कुछ लोगों ने मुझे अंदर ले गए फिर मुझे अस्पताल ले जाया गया।

गुजरात में 'शुद्धिकरण', दिल्ली में सप्लाई, 5000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति करने से पहले शुद्धिकरण के लिए दक्षिण अमेरिकी देशों से लगभग 1,300 किलोग्राम दवाएं गुजरात की एक दवा कंपनी में लाई गईं थीं। दिल्ली और गुजरात में नशीली दवाओं के सिलसिलेवार भंडाफोड़ के बीच यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक गुजरात और दिल्ली से 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें नवीनतम कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी है, जिसकी कीमत लगभग 5000 करोड़ रुपये है। यह बरामदगी गुजरात और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद की गई, इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई बरामदगी दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से कोकीन की ताजा बरामदगी के एक दिन बाद, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली भेजे जाने से पहले खेप को रसायनों के साथ मिलाकर परिष्कृत किया गया था। गुजरात से गिरफ्तार आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्वनी रमानी और ब्रिजेश कोठिया शामिल हैं, जो अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के सह-मालिक हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाकी दोनों में से मयूर देसाले कंपनी में उत्पादन का काम देख रहे थे, जबकि अमित ने मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और दवा कंपनी के मालिकों के बीच मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजस्थान में डेंगू से अब तक 6 मौंते... दहशत में लोग

जयपुर। राजस्थान में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस साल डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 साल का लड़का भी शामिल है। 14 साल के गिरिराज को अलवर के एक अस्पताल में तेज बुखार के साथ भर्ती किया गया था। मरीज में डेंगू की पुष्टि की गई। हालांकि, दो दिन के उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और अस्?पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, सोमवार को मरीज की हालत फिर बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिली है कि डेंगू से मरने वाला गिरिराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। अब तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू से 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक आरएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक नर्सिंग छात्रा और एक व्यापारी शामिल हैं। उदयपुर में आरएएस अधिकारी तारू सुराणा की करीब 17 दिन तक डेंगू का इलाज चलने के बाद 5 अक्टूबर को मौत हो गई।

बहराइच हिंसा : मृतक के परिजन चाहते हैं सीएम योगी करें इंसाफ, हमें न्याय चाहिए

लखनऊ। बहराइच हिंसा में मारे गए शख्स के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से आरोपियों का एनकाउंटर करने की बात कही। मृतक की पत्नी ने कहा कि जैसे मेरे पति को मारा, वैसे ही उन्हें भी मारा जाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या सीएम योगी से न्याय मिलेगा तो उन्होंने कहा कि ये तो हमें जाकर ही पता चलेगा कि न्याय करते हैं या नहीं। हमें तो खून के बदले खून चाहिए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि पुलिस ने जो कार्रवाई की है, आप उससे संतुष्ट हैं या नहीं तो इस पर मृतक की पत्नी ने कहा कि हम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जब तक उन लोगों को सजा नहीं मिलती, हम संतुष्ट नहीं होंगे। वहीं परिवार के एक सदस्य ने कहा कि हमें न्याय मिलना चाहिए। हमने देखा कि उसकी हालत क्या थी। उस दौरान मेरे साथ कोई और नहीं था। न पुलिस और न ही कोई और। पूरी लापरवाही पुलिस की रही। उन्होंने आगे पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन और एसओ की लापरवाही नहीं होती तो कुछ नहीं होता। अगर लाठीचार्ज नहीं होता तो कुछ नहीं होता। हम गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं है। हमें उसका एनकाउंटर चाहिए। मृतक की मां ने कहा कि मेरा बेटा तो चला गया, अब हम क्या करेंगे। हमें बस न्याय मिलना चाहिए। वहीं मृतक के भाई ने कहा कि सीएम योगी से मिलने जा रहे हैं, उनको पूरी बात बताएंगे। हम पुलिस की कार्रवाई से खुश नहीं हैं। पुलिसवालों की लापरवाही का ही ये नतीजा है। मै वहीं मौजूद था जब हत्या हुई थी। हमें न्याच चाहिए।

इस साल शरद पूर्णिमा पर धुव्र योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा

नई दिल्ली। सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा होती है। शरद पूर्णिमा व्रत को कौमुदी व्रत, कोजागरी व्रत और रास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन चांद अपनी पूरी 16 कलाओं से युक्त होता है। मान्यता है कि इस चंद्रमा की चांदनी अमृत से युक्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन मां लक्ष्मी रात्रि में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा होता है, उन्हें मां सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। इस साल शरद पूर्णिमा पर धुव्र योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 16 को रात 08-40 बजे पर होगा। आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04-55 बजे पर होगा। इस दिन चंद्रमा के निकलने का समय शाम 05 बजकर 05 मिनट पर होगा। शरद पूर्णिमा पर धुव्र योग के साथ उत्तराभाद्र और रेवती नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा मीन राशि में रहेंगे। इस दिन रात में गाय के दूध की खीर बनाकर अर्द्ध रात्रि को भगवान को भोग लगाकर खीर को चांदनी रात में रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की किरणों से खीर में अमृत प्राप्त होता है। आधी रात में चंद्रमा को भी अर्घ्य देना चाहिए। पूर्णिमा की चांदनी औषधि गुणों से युक्त होती है। इसमें रखी खीर का सेवन करने से चंद्र ग्रह संबंधी दोष जैसे कफ सर्दी छाती के रोग, मानसिक कष्ट या डिप्रेशन की समस्या और हार्मोनल संबंधी बीमारी में लाभकारी है।

90 साल का भी हो जाऊंगा तो भी लोगों के लिए काम करता रहूंगा: शरद पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होना है। चुनाव आयोग दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों का ऐलान करेगा। इस बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं काम करता रहूंगा। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर ही रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करते रहेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-(एसपी) के नेता हैं। शरद पवार ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

उन्होंने कहा कि आप जब भी अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी यह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि मजे की बात तो यह है कि बीते दस सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फडणवीस के समय में पूरे पांच साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं। उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा चुनाव लड़ा है। लगातार आप लोगों की सेवा में ही लगा रहता हूं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है।

सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार की पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उन्होंने संगठन में बदलाव पर जोर दिया और कहा कि बीते 10 सालों में संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है। सैलजा ने कहा कि पार्टी की फैक्ट फाईडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं से बात करेगी और उनकी राय ली जाएगी। यह पूछा जाएगा कि आखिर आप हार के क्या कारण मानते हैं। सैलजा ने कहा रिपोर्ट आने के बाद ही हाईकमान फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो हार हुई है, उसका अनुमान तो किसी को भी नहीं था। फिर भी किसी नतीजे तक पहुंचने से पहले हम फीडबैक लेंगे।

वहीं आपसी कलह पर राहुल गांधी के गुस्से वाली खबरों को सैलजा ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि हरियाणा चुनाव की बड़ी वजह कलह को ही माना जा रहा है। चर्चा है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के हाथ में ही चुनाव की पूरी कमान होने से सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने दूरी बना ली।

इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह यादव जैसे नेता भी उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा की ओर से बदलाव की मांग ने रार को नए सिरे से तेज कर दिया है। बता दें कि सभी एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब नतीजे आए तो कांग्रेस नेता समेत राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या 55 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि 29 सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेज सकती है, जबकि बीजेपी अपने किसी वरिष्ठ नेता को उच्च सदन में भेज सकती है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, जिन्हें चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वे भाजपा के राज्यसभा नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को चार राज्यसभा सीटों में से एक से मैदान में उतारकर संसद भेज सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार में केवल 10 मंत्री हो सकते हैं, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने सबसे खराब प्रदर्शन में केवल छह सीटें जीतीं।

मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा, यूपी में भी बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है।

इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे। उपचुनाव में 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 रिक्त सीटों में से नौ पर उपचुनाव की घोषणा की। चुनाव याचिका लंबित होने के कारण उसने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की। लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद सीसामऊ को छोड़कर सभी सीटें खाली हो गईं। सीसामऊ में सपा विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप... 1 हजार पहुंची मरीजों की संख्या

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में डेंगू धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां ग्वालियर में मरीजों का आंकड़ा एक हजार को पार कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय हालात पर काबू पाने सक्रिय हैं। साफ सफाई अभियान से लेकर जमाव वाले पानी की जांच हो रही है। घर-घर सर्वे भी हो रहा है। राज्य के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ताजा आंकड़े के अनुसार ग्वालियर में 1000 से ज्यादा, भोपाल में 450, इंदौर में 440 और जबलपुर में 325 डेंगू के मामले सामने आए हैं। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर सर्वे कर साफ सफाई का अभियान भी चलाए हुए हैं मगर यह कोशिशें नाकाफी साबित हो रही है। उसका कारण भी है क्योंकि फागिंग मशीन हर इलाके में नहीं पहुंच पा रही है, जिससे मच्छरों की संख्या कम नहीं हो पा रही है, वहीं जगह-जगह पानी का जमाव है। यह स्थितियां मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार है।

इस स्थिति पर ग्वालियर की उच्च न्यायालय खंडपीठ ने भी चिंता जाहिर की है। खंडपीठ की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ग्वालियर में दलदली खुली भूमि पर जो पानी भरा है उस पानी को खत्म किया जाए, बीमारी को रोकने का एक मजबूत सिस्टम बनाया जाए। इसके साथ ही जो मरीज सामने आते हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती करने के अलावा गंभीर मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था की जाए। बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए नियमित सफाई और दवा के छिड़काव के साथ फॉगिंग मशीन का उपयोग करना जरूरी है।

जबलपुर के मलेरिया विभाग के अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर सितंबर में डेंगू का असर कम होता है मगर इस बार बारिश का सिलसिला ज्यादा दिन चला है, ऐसी स्थिति में सतर्क रहने की जरूरत ज्यादा है। जबलपुर में ही पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू के मरीज दोगुने से ज्यादा सामने आए हैं। आने वाले दिनों में मरीजों संख्या ज्यादा न बढ़े इसके लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुईं और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं। श्री स्टालिन ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में किए गए एहतियाती इंतजामों की भी समीक्षा की इन जिलों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट और तीन अन्य जिलों के साथ कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी तमिलनाडु और आंतरिक जिलों सहित राज्य के कुल 15 जिलों में आज भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, चेन्नई क्षेत्रीय मौसम निदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है, क्योंकि पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश होगी।

कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि आज भारी बारिश और कल अत्यधिक बारिश की संभावना है। इस बीच, मध्य क्षेत्र सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में कल शाम से छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश हुई, जिससे मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। चेन्नई शहर और उपनगरों में भी कल रात से छिटपुट बारिश हुई और पूरी सरकारी मशीनरी तथा ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बारिश के कहर से निपटने के लिए सभी एहतियाती इंतजाम किए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दुबई से भारत में सोने की तस्करी

सूरत के दंपति ट्रॉली बैग की रेक्सिन-रबर की शीट के बीच लेयर बनाकर सोने का पाउडर ला रहे थे

ऑर्डर देने वाले वडोदरा के फैजल को ट्रेन से गिरफ्तार किया गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दुबई से हो रही सोने की तस्करी का जुलाई २०२४ में भंडाफोड़ हुआ। सूरत के एक दंपति को दुबई यात्रा के बहाने भेजकर, उनके द्वारा ट्रॉली बैग की रेक्सिन और रबर की शीट के बीच सोने के पाउडर की लेयर बनाकर सोना गुजरात लाकर स्थानीय बाजार में बेचने के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। इस तस्करी के मामले में ६४.८९ लाख रूपये के सोने की तस्करी में सोने का ऑर्डर वडोदरा के फैज़ल अब्दुल सतार मेमन ने दिया था। फैज़ल पिछले तीन महीनों से फरार था। जिसे सूचना के आधार पर ट्रेन से गिरफ्तार किया गया।

गोल्ड की केमिकल मिश्रित पेस्ट ट्रैवेलिंग बैग में अलग से बनाए गए लेयर के अंदर छिपाकर दुबई से सूरत आने वाले मांगरोल के मोसालिना सालेह दंपति सहित जहांगिरपुरा के पास गोल्ड पेस्ट के साथ चार बैग लेने आए मौलवी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनसे ६४.८४ लाख रूपये का ९२९ ग्राम सोना, मोबाइल, कार आदि सामान जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत ७६.१४ लाख रूपये है।

अब्दुल समद बेमत नाम का युवक दुबई में अपने लोगों को भेजकर ट्रैवेलिंग बैग में सोना छिपाकर भारत में तस्करी कर रहा था। अब्दुल ने मांगरोल के दंपति को दुबई भेजकर बैग में सोना मंगवाया था और उन्हें ८ जुलाई की रात दुबई से सूरत फ्लाइट से आने की जानकारी के साथ जहांगिरपुरा में शिवम होटल के पास बैग की डिलीवरी होने की खबर मिली थी।

दक्षिण अफ्रीका का वांटेड सुकत और दुबई का शहबाज थे मास्टरमाइंड, जबकि सोने का ऑर्डर वडोदरा के फैज़ल अब्दुल सतार मेमन ने दिया था। वह पिछले तीन महीनों से फरार था, जिसे SOG ने दौड़ती ट्रेन से गिरफ्तार किया। आरोपी की पूछताछ में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

स्क्वॉड ने होटल के पास निगरानी कर दो लोगों को एर्टिगा कार में और दंपति को मारुति टूर टैक्सी से उतरते हुए रंगे हाथों पकड़ा। चार ट्रैवेलिंग बैग लेने आए अब्दुल फारूक बेमत और उसके साथी फिरोज इब्राहीम

सूरत SOG पुलिस ने आरोपी फैज़ल अब्दुल सतार मेमन (उम्र ५५ वर्ष, निवासी C/४५, कारभारी पार्क सोसायटी, वासना रोड, वडोदरा) के खिलाफ BNSS की धारा ७२ के तहत वारंट प्राप्त कर जांच शुरू की थी। कल, प्राप्त सूचना के आधार पर मुंबई-बांद्रा से वडोदरा की ओर जा रही अजमेर एक्सप्रेस ट्रेन से आरोपी फैज़ल को पकड़कर कानूनी कार्यवाही शुरू की गई है। आरोपी की पूछताछ में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

पुलिस ने दुबई से सोना लेकर आए नाइम मोह. हनीफ सालेह और उसकी पत्नी उमैमा को नूर के साथ गिरफ्तार किया। जांच के दौरान चारों बैग में सोने की पेस्ट छिपाकर रखी हुई पाई गई।

बैग में रेक्सिन और नीचे की प्लास्टिक की परत के बीच रबर जैसी लेयर मिली। गोल्ड की पेस्ट बनाकर इसे रेक्सिन और रबर की शीट के बीच स्प्रे कर एक नई लेयर बनाई गई थी। जांच में ९२७ ग्राम वजन का सोने का पाउडर जिसकी कीमत ६४.८९ लाख रूपये थी, एर्टिगा कार, ५ मोबाइल आदि जब्त किए गए।

इस तस्करी के लिए कैरियर को १०,००० से २५,००० रूपये दिए जाते थे। सूरत स्क्वॉड द्वारा पकड़े गए ६४.८९ लाख की सोने की तस्करी का ऑर्डर वडोदरा के फैज़ल अब्दुल सतार मेमन ने दिया था। सालेह दंपति को सोना लाने के लिए दुबई भेजा गया था। फैज़ल अब्दुल सतार मेमन ने एक अन्य शख्स अब्दुल सतार को व्हाट्सएप पर ऑर्डर दिया था। सालेह दंपति की यह दुबई की दूसरी यात्रा थी। नकली खरीद बिल बनाए गए थे। पुलिस पूछताछ में पता चला कि अब्दुल ने ७ महीनों में २० लोगों को अवैध रूप से दुबई भेजा था, और इन २० लोगों ने सोने की तस्करी कर सोना गुजरात में पहुंचाया था।

पालीगाँव में जलाराम सोसायटी में अवैध रूप रेरा के निति-नियम का उल्लंघन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत महानगर पालिका के उधना जोन-बी के तहत पालीगाँव में जलाराम सोसायटी में अवैध रूप से बिना किसी परमिशन के हाईटेन्शन लाईन होने के बावजुद , सोसायटी बिना रेरा के रजिस्टर हुआ. बिना रेरा के निति-नियम का उल्लंघन कर अवैध रूप से स्थानिक नगरसेवक और बांधकाम विभाग से संबंधित पदाधिकारी के द्वारा भष्टाचार नमुना ?

सचिन होमगार्ड यूनिट में सेवा देने वाले प्रकाशकुमार मौर्य को "कर्म भूषण पुरस्कार २०२४ -से सम्मानित

४० बच्चों को खोजकर उनके माता-पिता से मिलाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के होमगार्ड विभाग में निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ सेवा कर रहे प्रकाशकुमार मौर्य (CSM रैंक, मुख्यमंत्री मेडल विजेता) को अनीश संस्था द्वारा 'कर्म भूषण अवार्ड २०२४' से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड उनके सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर दिया गया है।

प्रकाशकुमार मौर्य पिछले १८ वर्षों से सचिन होमगार्ड यूनिट में सेवा दे रहे हैं। वह केवल अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ही नहीं करते, बल्कि समाज की भलाई के लिए भी उत्साहपूर्वक कार्य करते हैं। सचिन पुलिस स्टेशन से जुड़कर, वे शहर के स्कूलों और क्षेत्रों में बालिकाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाते हैं। उन्होंने गुमशुदा बच्चों को उनके परिवार से मिलाने का प्रशंसनीय कार्य किया है। उन्होंने अपने कर्तव्यों के दौरान लगभग ४० गुमशुदा बच्चों को खोजकर उन्हें उनके माता-पिता से मिलवाया है। इसके अलावा, उन्होंने वृद्धों को उनके परिजनों से पुन: मिलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है, जिससे उन्होंने मानव सेवा में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

उन्होंने न केवल गुजरात में, बल्कि उत्तर प्रदेश में भी सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर उत्कृष्ट कार्य किया है। वे सचिन पुलिस स्टेशन के साथ मिलकर शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लगातार प्रयास करते रहते हैं। प्रकाशकुमार मौर्य को दिया गया यह पुरस्कार उनकी नि:स्वार्थ सेवा और समर्पित कार्यों का सम्मान है। उनके ऐसे कार्यों ने समाज में नई प्रेरणा का संचार किया है और अन्य लोगों को भी सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है।

गुजरात टेक्सटाइल पोलिसी-२०२४ से व्यापारियों में खुशी की लहर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, मंगलवार को गुजरात सरकार द्वारा टेक्सटाइल पोलिसी लोंच की गई है. जिसमे सभी टेक्सटाइल के घटक को शामिल कर के बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है. जिसमे टेक्सटाइल से जुड़े सभी घटक जैसे की यार्न, MMF से लेकर विविंग, एम्ब्रोडरी, प्रोसेसिंग, टेक्षचराइजिंग, गारमेंट सभी क्षेत्रो को शामिल किया गया है. यह पोलिसी टेक्सटाइल के लिए वरदान है. PM मित्रा पार्क में 35% तक की सबसिडी, 20% रूरल की सबसिडी से लेकर, इंटरेस्ट सबसिडी पर ५ से ७त्र सबसिडी, इन्वेस्टमेंट के ऊपर 3% और खासकर विद्युत पर मात्र १ रूपये प्रति यूनिट जो बताया गया है वह काफी कारगर साबित होगी. साथ ही महिला कर्मियों को पर खास ध्यान दिया गया है. जिससे म ा ि ह ल ा ा

जो कुशल वह न तो बद्ध और न ही मुक्त युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, आयारो आगम में कहा गया है कि इस संसार में जीने वाला प्राणी बंधनयुक्त होता भी होता है, किन्तु कुछ ऐसे भी मनुष्य होते हैं तो कुछ सीमा में बन्धन से मुक्त भी होते हैं. वे कुशल होते हैं, जो जीते हुए भी मुक्त रहते हैं. वे किसी रूप में बद्ध और मुक्त भी होते हैं. जो आदमी अतीत की स्मृतियों में नहीं खोता, भविष्य की कल्पनाओं में नहीं जाता, वर्तमान की स्थितियों में भी तटस्थ होता है, वह आदमी जीवित रहते हुए भी मुक्त होता है. अहंकार और कामवासना को जीतने वाला, मानसिक, वाचिक और कायिक विकारों से जो रहित है, आशा और लालसा से निवृत्त हो गए हैं, वैसे मनुष्य के लिए यहीं मोक्ष प्राप्त हो गया है, ऐसा माना गया है.

अप्रमत्त साधु जो आसक्ति में नहीं जाता, पर प्रवृत्ति करता है. चलता है, बोलता है, खाता, पीता है, वह प्रवृत्ति से मुक्त नहीं है, किन्तु आसक्ति से आबद्ध नहीं है. कुशल शब्द आयारो में प्राप्त होता है. अध्यात्म के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है. साधना में जो कुशल हो गया है, जो वीतरागी है, वह पदार्थों से बंधा हुआ नहीं होता और प्रवृत्ति से मुक्त नहीं होता. अध्यात्म जगत की साधना में कुशलता को प्राप्त करना लेना भी उच्च कोटि की बात होती है.

कैंसर मरीजों के साथ डॉक्टर्स ने किया गरबा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप एवं सांची हेल्थ फाउंडेशन द्वारा एक अनूठे गरबा रास का आयोजन मंगलवार को किया गया. ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप की प्रमुख पूनम पाराशर जो खुद भी ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित रह चुकी है ने बताया की कैनाल रोड़ स्थित शांतम हॉल में शाम चार बजे से आयोजित कार्यक्रम में कैंसर मरीजों के साथ डॉक्टर्स एवं अनेकों महिलाओं ने रास गरबा किया. सांची हेल्थ फाउंडेशन द्वारा हर साल अक्टूबर महीने में समाज में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता लाने के लिए ऐसे प्रोग्राम आयोजित किए जाते है.

कार्यक्रम में सूरत के जाने माने लाइफ स्टाइल एक्सपर्ट और हेल्थ एंटरटेनर डॉक्टर मुकेश पाराशर ने बताया कि देखते देखते हमारा देश विश्व में डायबिटीज और कैंसर की राजधानी बनते जा रहा हैं. इसलिए अब समय आ गया कि हम सब एक साथ मिलकर सिर्फ कैंसर पर ही नहीं बल्कि लाइफ स्टाइल से जुड़ी सभी बीमारियों और उनके कारणों पर भी चर्चा करें. आयोजन में अनु चौधरी को कैंसर ट्रीटमेंट के प्रति उनकी रिसर्च के लिए सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांता सोनी एवं संतोष पाराशर उपस्थित रहें. कार्यक्रम में डॉ डिंपल छटवानी, डॉ डिंकी गाजीवाला, डॉ ऋचा वघासिया, डॉ नेहा पटेल, डॉ शीतल खेरडिया सहित अनेकों डॉक्टर्स ने हिस्सा लिया.